



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 177]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 5, 2011/श्रावण 14, 1933

No. 177]

NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 5, 2011/SRAVANA 14, 1933

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 अगस्त, 2011

अंतिम जांच परिणाम

विषय :—चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पैरानाइट्रोएनीलीन (पी एन ए) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच—अंतिम जांच परिणाम।

सं. 14/13/2010-डीजीएडी.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति-निर्धारण) नियमावली (जिसे आगे पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए।

क. प्रक्रिया

2. निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है,

- i). निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) को उपर्युक्त नियमों के अंतर्गत चीन जन. गण. (जिसे आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के या वहां से निर्यातित पैरानाइट्रोएनीलीन (पी एन ए) के पाटन का आरोप लगाते हुए घरेलू उद्योग की ओर से मैं. अभिलाषा टैक्सकैम प्रा. लि., मुंबई और मैं. अमरज्योत कैमिकल प्रा. लि. से एक लिखित आवेदन प्राप्त हुआ।
- ii). आवेदन की प्रारंभिक जांच से कुछेक कमियों का पता चला जिन्हें आवेदक ने बाद में सुधार लिया था। अतः आवेदन विधिवत प्रलेखित माना गया था।
- iii). जांच की शुरुआत को न्यायोचित ठहराने के लिए आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर प्राधिकारी ने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों के खिलाफ जांच शुरू करने का निर्णय लिया।

iv). प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के उप नियम 5(5) के अनुसार जांच शुरू करने से पूर्व पाटन के आरोप की प्राप्ति के बारे में भारत स्थित संबद्ध देश के दूतावास को अधिसूचित किया।

v) संबद्ध वस्तु के आयातों के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए प्राधिकारी ने 8 जून, 2010 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया।

vi) प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(2) के अनुसार सार्वजनिक सूचना की प्रति समस्त ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे आवेदक ने उपलब्ध कराए थे) और उद्योग एसो. को भेजी और उन्हें अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया।

vii) प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तु के समस्त ज्ञात आयातकों को भी सार्वजनिक सूचना की प्रति भेजी और उन्हें पत्र की तारीख से चालीस दिन के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने की सलाह दी।

viii) प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार, ज्ञात निर्यातकों और भारत स्थित संबद्ध देश के दूतावास को आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रति उपलब्ध कराई। अनुरोध करने पर आवेदन की प्रति अन्य हितवद्ध पक्षकारों को भी उपलब्ध कराई गई थी।

ix) पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार, प्राधिकारी ने संबद्ध देश में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को संगत सूचना मंगाने हेतु प्रश्नावलियां भेजीं:

(क) ग्रीन फाइन कैमिकल (शंघाई) कंपनी लि., 17/एफ, टाइमस्पेयर, सं. 500, झांगयांग रोड, पुडोंग, शंघाई, चीन जन.गण.

(ख) जुनवी कैमिकल कं. लि., 12-ए, बिल्डिंग-1, 182 झाओहुई रोड, हेंगझाऊ-310014, चीन जन.गण.

(ग) लोंग आइलैंड फार्मास्युटीकल कं. लि., क्रय तथा विक्रय विभाग, 15वां वान्सू रोड, नान्जिंग, पुकोऊ 211816, चीन जन.गण.

x). जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में चीन जन.गण. के निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने उत्तर दिया है:

क) सुझोऊ लुसन ऑप्टीकलीज कंपनी लिमिटेड (लुसन)

ख) वुजियान सिटी, यीलिन फॉरेन ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड (यीलिन)

- ग) हेंगझोऊ डेंगशेंग कैमिकल कंपनी लिमिटेड (डेंगशेंग)
घ) हेबेई योंगताई क्रिएट कैमिकल्स कंपनी लिमिटेड (योंगताई)

xi. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगने के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावलियां भेजी गई थीं:

- क) बाडाल कैमिकल्स लि., प्लॉट सं. 123-124, फेज-1, जी आई बी सी, वातव, अहमदाबाद-382445, गुजरात
ख) जुईमैक्स/कैमेक्स, ए-502, मारुति टावर, सेटेलाइट, अहमदाबाद-380015

xii. जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में निम्नलिखित उत्पादकों, आयातकों और प्रयोक्ताओं ने उत्तर दिया है :

1. अम्बुजा इंटरमीडिएट्स प्रा.लि.
2. केमस्टार
3. पनोली इंटरमीडिएट्स (इंडनियां)
4. सौरभ आर्गेनिक्स प्रा.लि.
5. गोपीनाथकैम टैक लि.
6. कॉस्मो कैमिकल प्रा.लि.
7. कैम-आर्ग
8. प्रीमियर ऑर्गोकैम इंड प्रा. लि.

xiii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखा जिसे हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण हेतु खुला रखा।

xiv). हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के बारे में की गई थी। संतुष्ट होने के बाद प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है जिसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है। जहां संभव हुआ है गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था।

xv). घरेलू उद्योग के प्रपत्र में और ढंग से सूचना प्रस्तुत करने के लिए अन्य आवेदकों तथा अन्य घरेलू उत्पादकों से भी सूचना मांगी गई थी। परंतु इन उत्पादकों से कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई थी।

xvi) नियम 6(6) के अनुसार संगत सूचना मौखिक रूप से प्रस्तुत करने हेतु हितबद्ध पक्षकारों को अवसर प्रदान करने के लिए प्राधिकारी ने 18 जनवरी 2011 को मौखिक सुनवाई आयोजित जिसमें हितबद्ध पक्षकार उपस्थित हुए थे । मौखिक सुनवाई में उपस्थित होने वाले पक्षकारों को मौखिक रूप से प्रस्तुत सूचना के लिखित अनुरोध दायर करने की सलाह दी गई थी । हितबद्ध पक्षकारों को अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत विचारों/सूचना के बारे में खंडनात्मक तर्क प्रस्तुत करने की अनुमति दी गई थी । निर्दिष्ट प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त अनुरोधों पर समुचित ढंग से विचार किया है ।

xvii) बाद में प्राधिकारी ने नियम 6(6) के अनुसार संगत सूचना प्रस्तुत करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को एक और अवसर प्रदान करने हेतु 30 मार्च, 2011 को एक अन्य सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की । यह नोट किया गया कि इस दूसरी सुनवाई में भी घरेलू उद्योग को छोड़कर किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने सार्वजनिक सुनवाई में भाग नहीं लिया । जांच के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों तथा प्रदत्त सूचना/साक्ष्य पर वर्तमान जांच से संगत सीमा तक विचार किया गया है और उन पर प्राधिकारी ने समुचित कार्रवाई की है ।

xviii).. सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत और उसे बनाने तथा बेचने की लागत के आधार पर क्षति रहित कीमत निकाली गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा ।

xix) उपर्युक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार इन जांच परिणामों के लिए विचारित आवश्यक तथ्यों/आधार का प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को किया गया है और उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर भी इस अंतिम जांच परिणाम में विचार किया गया है :-

- जय ऑर्गेनिक्स, अहमदाबाद
- चीन के निर्यातक डेंगशेंग की ओर से वर्ल्ड ट्रेड कन्सल्टेन्ट्स और एडवोकेट्स
- कैम-ऑर्ग, थाणे
- कॉन्टिनेन्टल केमिकल्स, अहमदाबाद
- अम्बुजा इंटरमीडिएट्स प्रा. लि.
- कैम स्टार, डॉम्बीविली, महाराष्ट्र
- गुरुदेव डायस्टफ (इंडिया) प्रा. लि.
- आरती ऑर्गेनिक
- घरेलू उद्योग

xx) यह जांच 1 जनवरी, 2009 से 31 दिसंबर, 2009 की अवधि (जांच अवधि) के लिए की गई थी । क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में 2006-07, 2007-08, 2008-09 की अवधि और जांच अवधि शामिल थी ।

(xxi) संबद्ध जांच पूरी करने के लिए केन्द्र सरकार ने 7 अगस्त, 2011 तक का समय बढ़ाया था ।

ख. विचाराधीन उत्पाद तथा घरेलू समान वस्तु

ख.1 विचाराधीन उत्पाद

3. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद पैरानाइट्रोएनीलीन (जिसे आगे "संबद्ध वस्तु" कहा गया है) है । यह एक कार्बनिक रसायन यौगिक है । पैरानाइट्रोएनीलीन को 4-नाइट्रोएनीलीन, 1-अमीनो-4-नाइट्रोबेंजीन अथवा पी-नाइट्रोफेनाइलामाइन के नाम से भी जाना जाता है । 4-नाइट्रोएनीलीन पैरारैब, जो प्रथम एजोडाई है, की सिंथेसिस के लिए शुरूआती सामग्री है । इस रसायन का आम तौर पर उपयोग रंजकों, एंटी ऑक्सिडेंट, भेषज तथा गैसोलिन की सिंथेसिस, गमइन्हेबिटर्स, कुक्कुट औषधियों में मध्यवर्ती के रूप में तथा कोरोजन इन्हेबिटर के रूप में किया जाता है ।

4. उत्पाद का क्षेत्र सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के सी. शु. उपशीर्ष सं. 2921.42.26 के अध्याय 29 (कार्बनिक रसायन) के अंतर्गत वर्गीकृत है । तथापि, यह सी.शु. वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के क्षेत्र पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं माना जा रहा है ।

घरेलू उद्योग द्वारा व्यक्त विचार

5. क) वर्तमान आवेदन में विचाराधीन उत्पाद "पैरानाइट्रोएनीलीन" है ।

ख) इस उत्पाद की बिक्री उपभोक्ताओं की जरूरत के आधार पर अलग-अलग सांद्रणों में की जाती है । तथापि, उत्पाद के निवल भार पर 100% सांद्रण के आधार पर लागत तथा कीमत की गणना हेतु विचार किया जाता है ।

हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त विचार

6. निम्नलिखित निर्यातकों ने अपने उत्तरों में यह दावा किया है कि संबद्ध उत्पाद एक प्रकार का रासायनिक उत्पाद है जिसमें लगभग 90/93% पी एन ए तथा 10-7% जल होता है । भारत को की गई निर्यात बिक्री के प्रत्येक सौदे के लिए उन्होंने वास्तविक भार, (जल सहित निवल भार), पी एन ए की प्रतिशत मात्रा तथा 100% भार (जल रहित शुष्क भार) का उल्लेख करते हुए विश्लेषण प्रमाण-पत्र की एक प्रति संलग्न की थी और संविदा एवं बीजक जैसे वाणिज्यिक दस्तावेजों में मात्रा एवं इकाई मूल्य का उल्लेख किया है जहां मात्रा एवं इकाई मूल्य 100% भार से संबंधित है ।

1) हेंगझोऊ डेंगशेंग कैमिकल कंपनी लिमिटेड

- 2) वुजियान सिटी, यीलिन फॉरेन ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड
- 3) हेबेई योंगताई क्रिएट कैमिकल्स कंपनी लिमिटेड

प्राधिकारी द्वारा जांच

7. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना में यथापरिभाषित विचाराधीन उत्पाद पैरानाइट्रोएनीलीन (जिसे आगे "संबद्ध वस्तु" कहा गया है) है। यह एक कार्बनिक रसायन यौगिक है। पैरानाइट्रोएनीलीन को 4-नाइट्रोएनीलीन, 1-अमीनो-4-नाइट्रोबेंजीन अथवा पी-नाइट्रोफेनाइलामाइन के नाम से भी जाना जाता है। 4-नाइट्रोएनीलीन पैराबैक, जो प्रथम एजोडाई है, की सिंथेसिस के लिए शुरुआती सामग्री है। इस रसायन का आम तौर पर उपयोग रंजकों, एंटी ऑक्सिडेंट, भेषज तथा गैसोलिन की सिंथेसिस, गमइन्हेबिटर्स, कुक्कुट औषधियों में मध्यवर्ती के रूप में तथा 'कोरोजन इनहेबिटर के रूप में किया जाता है।

8. उत्पाद का क्षेत्र सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के सी. शु. उपशीर्ष सं. 2921.42.26 के अध्याय 29 (कार्बनिक रसायन) के अंतर्गत वर्गीकृत है। तथापि, यह सी.शु. वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के क्षेत्र पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं माना जा रहा है।

9. अतः प्राधिकारी ने यह माना है कि विचाराधीन उत्पाद वही रहता है भले ही उसका सांद्रण स्तर कुछ भी हो। यह नोट किया जाता है कि सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत, पाटन मार्जिन, क्षति रहित कीमत निर्धारण सहित घरेलू उद्योग की सूचना 100% सांद्रण स्तर पर उपलब्ध कराई गई है।

समान वस्तु

9. समान वस्तु के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में निम्नानुसार उपबंध है:

"समान वस्तु" का अर्थ एक ऐसी वस्तु है जो भारत में पाटन के लिए जांच के अधीन वस्तु के समान हो या प्रत्येक दृष्टि से उसके जैसी हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में कोई अन्य ऐसी वस्तु जो यद्यपि प्रत्येक दृष्टि से समान न हो तब भी उसमें जांचाधीन वस्तु से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएं हो;

10. आवेदक ने दावा किया है कि संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध वस्तु तथा आवेदक के उत्पादों में कोई ज्ञात अंतर नहीं है और ये भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य तथा उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत, वितरण एवं विपणन और संबद्ध वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में तुलनीय है तथा आवेदक द्वारा उत्पादित और संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध वस्तु में कोई खास अंतर नहीं है और ये दोनों तकनीकी तथा वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं ।

11. प्राधिकारी ने इस मामले की जांच की है और यह नोट किया है कि भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित तथा संबद्ध देश से निर्यातित संबद्ध वस्तु में कोई ज्ञात अंतर नहीं है । भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित तथा संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तुएं भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य तथा उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत, वितरण एवं विपणन और संबद्ध वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में तुलनीय है । ये दोनों तकनीकी तथा वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं । उपभोक्ता इन दोनों का अदल-बदल कर उपयोग कर रहे हैं । किसी भी विरोधी हितबद्ध पक्षकार ने इस संबंध में कोई आपत्ति नहीं उठाई है । याचिकाकर्ता कंपनियों द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु को पाटनरोधी नियमावली के अनुसार संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तु के घरेलू समान वस्तु माना जा रहा है ।

ग. घरेलू उद्योग का क्षेत्र और आधार

12. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:

"घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में "घरेलू उद्योग" पद का अर्थ केवल शेष उत्पादकों के उल्लेख के रूप में निकाला जाएगा "।

13. मै. अभिलाषा टेक्स कैम प्रा. लि. तथा अमरज्योत कैमिकल प्रा. लि. द्वारा घरेलू उद्योग के रूप में आवेदन दायर किया गया है और मै. पनोली इंटरमीडिएट्स, मै. सौभव ऑर्गेनिक्स तथा मै. प्रीमियर ऑर्गेकेम इंडस्ट्रीज ने इसका समर्थन किया है ।

14. जांच के पश्चात प्राधिकारी यह मानते हैं कि (क) याचिकाकर्ता कंपनियों का उत्पादन भारतीय उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है; (ख) आवेदन का स्पष्ट रूप से समर्थन करने

वाले घरेलू उत्पादकों का हिस्सा घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित समान वस्तु के कुल उत्पादन के 50% से अधिक बनता है। अतः प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि आवेदन पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) और नियम 5(3) की अपेक्षाओं को पूरा करता है।

घ. पाटन मार्जिन

घरेलू उद्योग के अनुरोध

15. घरेलू उद्योग ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित का उल्लेख करते हुए यह तर्क दिया है कि चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाना चाहिए:

- (क) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा उस स्थिति में प्रदान नहीं किया जा सकता, जिसमें प्रमुख शेयरधारकों में से एक शेयरधारक राज्य की स्वामित्व वाली/नियंत्रित कंपनी है - घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि यूरोपीय आयोग ने निरंतर यह माना है कि उन मामलों में राज्य के हस्तक्षेप की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता जिनमें राज्य की स्वामित्व वाली/नियंत्रित कंपनी का पर्याप्त शेयर हो। यह तर्क दिया गया है कि यह न केवल विगत हस्तक्षेपों का प्रश्न है अपितु, बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करने के लिए संगत पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद भविष्य में राज्य के हस्तक्षेप की संभावना का भी प्रश्न है।
- (ख) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तक तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि चीन के प्रतिवादी निर्यातक यह सिद्ध नहीं करते हैं कि प्रमुख निविष्टियों की कीमतों में बाजार मूल्यों का पर्याप्त प्रदर्शन होता है - घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि "बाजार मूल्यों के पर्याप्त प्रदर्शन" की व्यापक व्याख्या की गई है ताकि यह अर्थ निकाला जा सके कि इन निविष्टियों की कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रचलित कीमतों से तुलनीय होनी चाहिए। घरेलू उद्योग का तर्क है कि यह तथ्य नितांत अपर्याप्त है कि ऐसी कीमतें चीन जन.गण. में प्रचलित कीमत से तुलनीय हैं।
- (ग) प्रमुख निविष्टियों में उपयोगिताएं शामिल हैं - घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि संबद्ध उत्पादों के उत्पादन के लिए उपयोगिता की प्रमुख मद के रूप में विद्युत और ईंधन की जरूरत होती है। जाहिर तौर पर यद्यपि, विद्युत आपूर्तिकर्ता राज्य की स्वामित्व वाली कंपनी है, तथापि, ईंधन की आपूर्तिकर्ता के बारे में अपर्याप्त सूचना दी गई है। निर्यातकों ने यह सिद्ध नहीं किया है कि उपयोगिताओं की कीमत में उचित बाजार मूल्य प्रदर्शित होता है।
- (घ) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि प्रतिवादी निर्यातक यह सिद्ध नहीं करते हैं कि उनकी बहियों की लेखा परीक्षा अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुरूप की जाती है- घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि चीन के निर्यातकों ने ऐसी स्थितियों में बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार को खारिज करने के लिए यूरोपीय आयोग के व्यवहार का बार-बार खंडन किया है जिनमें चीन के निर्यातक यह सिद्ध करने में असमर्थ रहे हैं कि उनकी बहियां चीनी जी ए ए पी के अनुरूप हैं। ऐसे मामलों में चीन की कंपनियों ने यह तर्क दिया है

कि अंतर्राष्ट्रीय लेखा मानकों के अनुपालन पर जोर देने की जरूरत कानून के दायरे से बाहर है ।

- (ड) बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा उस स्थिति में प्रदान नहीं किया जा सकता यदि नियमों में निर्धारित मापदंडों में से एक की भी पूर्ति नहीं होती है : घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि यूरोपीय आयोग ने इस बात पर बार-बार जोर दिया है कि बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता, जब तक कि चीन के प्रतिवादक निर्यातक नियमावली में निर्धारित प्रत्येक मापदंड के संबंध में जांच पर खरे नहीं उतरते हैं ।
- (च) सिद्ध करने का भार/दायित्व - घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि यह सिद्ध करने का दायित्व घरेलू उद्योग पर है न कि प्राधिकारी पर कि प्रतिवादी कंपनियां वस्तुतः बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन कर रही हैं और वे बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार की हकदार हैं । इसके विपरीत यह सिद्ध करना चीन के प्रतिवादी निर्यातकों का दायित्व है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियों में प्रचालन कर रही हैं ।
- (छ) रूपांतरण : घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि ऐसी स्थिति जिसमें वर्तमान शेयरधारकों ने स्वयं उत्पादन सुविधाएं स्थापित नहीं की हैं, परंतु किसी अन्य पक्षकार से इन्हें अर्जित किया है, बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा तब तक प्रदान नहीं किया जा सकता जब तक कि रूपांतरण की प्रक्रिया की पूर्णतः पुष्टि दस्तावेजी साक्ष्य के जरिए नहीं की जाती है ।

16. घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि चीन के प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा ऊपर उल्लिखित कई शर्तों को पूरा करने की विफलता यह मानने के लिए पर्याप्त है कि चीन की प्रतिवादी कंपनियों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया जा सकता और इस प्रकार सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के पैरा-7 के अनुसार किया जाना चाहिए ।

अन्य हितबद्ध पक्षकारों (निर्यातकों) के अनुरोध

17. जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में निम्नलिखित उत्पादकों तथा निर्यातकों ने जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना पर अपने उत्तर प्रस्तुत किए हैं और प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि वह उनकी निर्यातक प्रश्नावली के आधार पर पाटन मार्जिन का निर्धारण करें ।

1. हेबेई योंगताई क्रिएट कैमिकल्स कंपनी लिमिटेड (योंगताई) (उत्पादक तथा निर्यातक)
2. सुझोऊ लूसन ऑगजीलरीज कंपनी लिमिटेड (उत्पादक)
3. वुजियान सिटी, यीलिन फॉरेन ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड (निर्यातक)
4. हेंगझोऊ डेंगशेंग कैमिकल कंपनी लिमिटेड (निर्यातक)

दोनों उत्पादकों अर्थात् मै. योंगताई तथा मै. लूसन ने एम ई टी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है और प्राधिकारी से बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करने का अनुरोध किया है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

घ.1 सामान्य मूल्य

18. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में डब्ल्यू टी ओ के अन्य सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में चीन जन गण को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है । अतः पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(2) के अनुसार चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है जो प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ उपर्युक्त नियमों के अनुसार निर्यातक देश या अलग-अलग निर्यातकों द्वारा उपर्युक्त अनुमान के खंडन के अधीन है ।

19. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैराग्राफ 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का उस स्थिति में खंडन किया जा सकता है यदि चीन के निर्यातक (निर्यातकों) द्वारा पैराग्राफ 8 के उप पैरा(3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराते हैं और उसके विपरीत सिद्ध करते हैं । चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के निर्यातकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार विषयक प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मापदंडों पर विचार कर सकें कि क्या :-

(क) कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, बिक्रियां और निवेश के बारे में चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं;

(ख) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बड़े खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन हैं;

(ग) इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और

(घ) विनिमय दर का परिवर्तन बाज की दर पर किया जाता है ।

20. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों ने प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं और प्राधिकारी द्वारा जारी जांच शुरुआत संबंधी सूचना के बाद

बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली का उत्तर दिया है। संबद्ध देश के संबद्ध वस्तु के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों के सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु प्रतिवादी उत्पादकों तथा निर्यातकों के प्रश्नावली के उत्तरों तथा बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी उत्तरों की निम्नानुसार जांच की गई है। इस संबंध में प्रतिवादी उत्पादकों के उत्तरों का सत्यापन करने के लिए सत्यापन दौरा किया गया था और उन सभी उत्पादकों तथा निर्यातकों को सत्यापन रिपोर्ट जारी की गई थी जिनके आंकड़ों का सत्यापन किया गया था और इन हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त टिप्पणियों पर विचार किया गया है।

हेबाई यांगताई क्रिएट कैमिकल्स कंपनी लिमिटेड (यांगताई)

एम ई टी उत्तर की जांच

22. अपने उत्तर में कंपनी ने बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का दावा किया है। कंपनी ने खास तौर पर ऐसा उत्तर प्रस्तुत किया था, जिसमें उसने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 के उप पैरा (3) में उल्लिखित विभिन्न मानदंडों के खंडन की मांग की थी। उनके दावे की जांच की गई थी और कंपनी द्वारा प्रस्तुत सूचना का प्राधिकारी ने सत्यापन किया था। कंपनी को एक विस्तृत सत्यापन रिपोर्ट जारी की गई थी जिसमें बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे और निर्यात कीमत से संबंधित दावे की विस्तृत जांच की गई थी।

23. सत्यापन के दौरान यह पाया गया था कि संबद्ध वस्तु की उत्पादक तथा निर्यातक में हेबाईयांगताई क्रिएट कैमिकल कंपनी लिमिटेड (यांगताई) की स्थापना चीनी-विदेशी संयुक्त उद्यम के रूप में **** को की गई थी और शेयरधारकों में दो कंपनियां अर्थात् **** और **** शामिल हैं। यांगताई क्रिएट की पंजीकृत पूंजी **** आर एम बी थी। यद्यपि, हेबाई यांगताई क्रिएट कैमिकल कंपनी लिमिटेड द्वारा **** आर एम बी का निवेश **** के रूप में किया गया था जो कुल पंजीकृत पूंजी का **** था और **** आर एम बी का निवेश अमरीकी शेयरधारक ने नकद में किया था जिसका हिस्सा पंजीकृत पूंजी का ****% था। यह अनुरोध किया गया था कि हेबाई यांगताई कैमिकल कंपनी लिमिटेड (ग्रुप कंपनी) के शेयरधारकों में 3 व्यक्ति **** (जिनका निवेश कुल पंजीकृत पूंजी का ****% है), **** (जिनका निवेश कुल पंजीकृत पूंजी का ****% है), **** (जिनका निवेश कुल पंजीकृत पूंजी का ****% है), और अन्य शेयर धारक **** है (जिसका निवेश कुल पंजीकृत पूंजी का ****% है)।

24. इस बात को खास तौर पर नोट किया गया था कि संबद्ध कंपनी की स्थापना चीनी-विदेशी संयुक्त उद्यम के रूप में की गई थी और शेयरधारकों में 2 कंपनियां अर्थात् **** और **** शामिल हैं। तथापि, **** की स्थापना की सत्यापन जांच से यह पता चला कि इस कंपनी का पंजीकरण **** की पंजीकृत पूंजी के साथ **** में केलीफोर्निया राज्य में की गई थी। समस्त पंजीकृत पूंजी **** को जारी की गई थी जो ग्रुप कंपनी अर्थात् **** के प्रमुख शेयरधारकों में से एक है। ग्रुप कंपनी में **** और **** लि. द्वारा निवेशित निधियों के स्रोतों का कोई ब्यौरा दल को उपलब्ध नहीं कराया गया था।

25. सत्यापन के दौरान कंपनी ने बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के दावे के समर्थन में कुछ दस्तावेज प्रस्तुत किए। कंपनी ने खास तौर पर कंपनी का कारोबार लाइसेंस, कंपनी की कुछ परिसंपत्तियों के कुछ खरीद बीजक, जांच अवधि के दौरान शुरुआत की तारीख के साथ बकाया परिसंपत्तियों में से

कुछ के ब्यौरे, कारोबार लाइसेंस की प्रति और कारोबार शुरू करने से पूर्व चीन सरकार की एजेंसियों से प्राप्त अन्य अनुमोदन तथा नियंत्रक कंपनी, कंपनी काक संगठनात्मक चार्ट, स्थापना से लेकर शेयर पूंजी के ब्यौरे सहित कंपनी की संरचना में परिवर्तन संबंधी सूचना और मूल कंपनियों के स्वामित्व से संबंधित सूचना, संस्था के अंतरनियम, मूल कंपनी हेबाई यांगताई कैमिकल कंपनी लिमिटेड की वर्ष 2005 की पूंजी सत्यापन रिपोर्ट और वर्ष 2006 तथा 2010 के लिए यांगताई क्रिएट की पूंजी सत्यापन रिपोर्ट, वैट विवरणी, श्रमिक भुगतान संविदा, नमूना बीजकों सहित कच्ची सामग्रियों तथा उपयोगिताओं के आपूर्तिकर्ताओं की सूची, मूल कंपनी हेबाई यांगताई कैमिकल कंपनी लिमिटेड के वर्ष 2006, 2007, 2008 और 2009 के तुलन-पत्र तथा आय विवरण, वर्ष 2002 और 2004 की **** की परिसंपत्ति मूल्यांकन रिपोर्ट, अगस्त 2005 की भूमि उपयोगाधिकार मूल्यांकन रिपोर्ट, हेबाई यांगताई कैमिकल कंपनी लिमिटेड की संयुक्त उद्यम संविदा, हेबाई यांगताई क्रिएट कैमिकल-कंपनी लिमिटेड की संयुक्त उद्यम संविदा आदि प्रस्तुत की है।

26. तथापि, कंपनी वर्ष 2006, 2007, 2008 तथा 2009 के मूल्यहास की गणना, संयंत्र एवं मशीनरी के खरीद ऑर्डरों/बीजकों की प्रतियां, वर्ष 2006-2007 में खरीदे गए उत्पादन उपकरण, संयंत्र एवं वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने की तारीख, कारखाना/कार्यालय भवनों के निर्माण हेतु निर्माण ठेकेदार को दिए गए ऑर्डरों की प्रतियां तथा अन्य प्राप्तिओं के ब्यौरे, यांगताई कैमिकल कंपनी (ग्रुप कंपनी) के संबंध में वर्ष 2006, 2007, 2008 तथा 2009 के लिए अन्य प्राप्तिओं और अन्य देय राशियों के ब्यौरे प्रश्नावली के उत्तर में उल्लिखित संयंत्र की क्षमता के संबंध में सहायक दस्तावेज, परियोजना लागत और परियोजना का वित्त पोषण किस प्रकार हुआ, के ब्यौरे प्रस्तुत करने में विफल रही।

लेखा रिकॉर्डों की जांच की गई और इन्हें स्वतंत्र सी पी ए द्वारा लेखापरीक्षित पाया गया है। लेखा परीक्षक रिपोर्ट के अनुसार कंपनी की वित्तीय स्थिति और परिचालन परिणाम उद्यमों हेतु उद्यम तथा लेखा प्रणालियों के लेखा मानकों के अनुरूप पाए गए थे। तथापि, यह नोट किया जाता है कि वित्तीय विवरणों और लेखा परीक्षा रिपोर्टों से इस तथ्य का खुलासा नहीं हुआ कि यह कंपनी अपनी ग्रुप कंपनी के साथ संबद्ध पक्षकार के सौदे कर रही थी। इसके अलावा, लेखा परीक्षा रिपोर्टों में इस बात का कोई उल्लेख नहीं है कि क्या समस्त संबद्ध पक्षकार लेनदेन दूरवर्ती आधार पर हुए थे। कंपनी द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2009 के लिए लाभांश घोषित न करने के बारे में बोर्ड के संकल्प को रिकॉर्ड में लिया गया था। यह भी नोट किया गया था कि जांच अवधि के दौरान कंपनी ने उपकरणों की खरीद पर **** आर एम बी की कर वापसी प्राप्त की जिसे सब्सिडी आय के रूप में दर्शाया गया था। दल को कर वापसी/सब्सिडी स्कीम के ब्यौरे उपलब्ध नहीं कराए गए थे।

निदेशक मंडल

27. निदेशक मंडल के संबंध में यह अनुरोध किया गया था कि मै. यांगताई क्रिएट का प्रबंधन निदेशक मंडल द्वारा किए जाजा है जिसमें **** व्यक्ति शामिल हैं जिनमें से **** व्यक्तियों का नामांकन प्रमुख शेयरधारकों अर्थात् **** द्वारा किया जाता है और एक व्यक्ति का नामांकन **** के शेयरधारक द्वारा किया जाता है। सभी निदेशकों का केवल **** मत है अतः यह नोट किया गया था कि कोई भी निदेशक राज्य या राज्य की स्वामित्व वाली कंपनियों का प्रतिनिधित्व नहीं करता है।

संबद्ध उत्पाद का उत्पादन और बिक्री

28. सत्यापन दल के समक्ष यह स्पष्ट किया गया था कि यांगताई क्रिएट द्वारा उत्पादित और विक्रीत उत्पादों में **** शामिल हैं। जहां तक उत्पादन प्रक्रिया का संबंध है, यह नोट किया गया था कि उत्पादन प्रक्रिया में दो चरण (उच्च दाब एमोनोलिसिज तथा पृथक्करण एवं क्रिस्टलीकरण) शामिल हैं। यह अनुरोध किया गया था कि उत्पादन प्रक्रिया में **** और **** को मिलाने के बाद उच्च दाब एमोनोलिसिज (**** घंटे) शामिल होता है जिसके बाद **** (**** घंटे) किया जाता है और तत्पश्चात तैयार वस्तु की पैकिंग की जाती है। आगे यह बताया गया था कि कंपनी ने **** की समाप्ति से पी एन ए उत्पादों का उत्पादन शुरू किया और वर्ष **** से भारत को उत्पादों का निर्यात किया। जांच अवधि के दौरान यांगताई क्रिएट ने भारत को दो खेपों में संबद्ध उत्पाद का निर्यात किया और अधिकांश संबद्ध उत्पाद की बिक्री भारतीय बाजार में की जाती है। यांगताई क्रिएट ने किसी अन्य देश का संबद्ध सामग्री का निर्यात नहीं किया है। निर्यातक ने यह दावा किया है कि **** कर्मचारी हैं जिनमें कंपनी में **** कामगार हैं। केवल **** कामगारों के बारे में पी एन ए कार्यशाला में कार्य करने का दावा किया गया है। एक श्रमिक संविदा प्रस्तुत की गई जिसमें यह स्पष्ट किया गया था कि श्रमिकों के आवागमन और कंपनी द्वारा उनकी भर्ती के संबंध में कोई प्रतिबंध नहीं है।

29. जहां तक कच्ची सामग्री सहित निविष्टियों की प्राप्ति और इस तथ्य का संबंध है कि क्या इनका निर्माण आपूर्ति और मांग प्रदर्शित करने वाले बाजारी संकेतों के फलस्वरूप किया जाता है और इस बारे में राज्य का हस्तक्षेप नहीं है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में पर्याप्त बाजार मूल्य प्रदर्शित होते हैं, यह नोट किया गया था कि मै. यांगताई क्रिएट द्वारा राज्य की स्वामित्व वाली कंपनी सहित अन्य कंपनियों से कच्ची सामग्री की खरीद की जा रही है। विचाराधीन उत्पाद के विनिर्माण में प्रयुक्त प्राथमिक कच्ची सामग्री **** और **** हैं। इन सामग्रियों की खरीद **** जो राज्य की कंपनी है, सहित कई आपूर्तिकर्ताओं से की गई थी। तथापि, सत्यापन के दौरान न तो अन्य आपूर्तिकर्ताओं का कारोबार लाइसेंस और न ही ऐसा कोई अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया जिससे इन कंपनियों की विधिक स्थिति का पता चल सके। इसके अलावा, जब दल ने यांगताई क्रिएट से इस बात की पुष्टि करने का अनुरोध किया कि प्रमुख कच्ची सामग्री की खरीद में बाजार कीमत अथवा मांग और आपूर्ति की बाजारी शक्तियों का प्रदर्शन होता है तो कंपनी कोई तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत नहीं कर सकी और न ही अपने इस दावे की पुष्टि कर सकी कि इन कीमतों में राज्य के नियंत्रण से मुक्त बाजारी कीमतों का प्रदर्शन होता है।

30. इस प्रकार, उपर्युक्त के मद्देनजर यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि कच्ची सामग्री सहित निविष्टियों, प्रौद्योगिकी एवं श्रम लागत, उत्पादन, बिक्री तथा निवेश मांग एवं आपूर्ति दर्शाने वाले बाजारी संकेतों की प्रतिक्रियास्वरूप किए जाते हैं और ये इस संबंध में राज्य के हस्तक्षेप से मुक्त हैं और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्यों का पर्याप्त प्रदर्शन होता है। उपर्युक्त के मद्देनजर मै. यांगताई क्रिएट कैमिकल कंपनी लिमिटेड को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान नहीं

किया गया है और सामान्य मूल्य का निर्धारण नियम 6(8) के अंतर्गत उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया गया है ।

सुझोऊ लूसन ऑगजीलरीज कंपनी लिमिटेड (लूसन) (उत्पादक)

31. सुझोऊ लूसन ऑगजीलरीज कंपनी लिमिटेड, चीन जन.गण. इस देश में संबद्ध सामग्री की उत्पादकों में से एक ऐसा उत्पादक है जिसने जांच में भाग लिया है और एम ई टी तथा निर्यातक प्रश्नावली, दोनों का उत्तर दायर किया है । उत्पादक तथा निर्यातक द्वारा दायर उत्तर से यह नोट किया गया कि मै. लूसन संबद्ध वस्तु की एक उत्पादक है और घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की बिक्री करती है और वह भारत को संबद्ध वस्तु का सीधे निर्यात नहीं करती है । दोनों निर्यातकों अर्थात् मै. हेंगझाऊ डेनसेंग कैमिकल कंपनी लिमिटेड तथा मै. वुजियांग सिटी यीलिंग फॉरेन ट्रेड कंपनी लिमिटेड के उत्तर से यह नोट किया गया है कि उन्होंने संबद्ध वस्तु की उत्पादक मै. लूसन द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात किया है । उपर्युक्त दोनों निर्यातकों ने एम ई टी प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है । मै. सुझोऊ लूसन ऑगजीलरीज कंपनी लिमिटेड तथा ऊपर उल्लिखित दोनों निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना का सत्यापन किया गया है और सत्यापन रिपोर्ट टिप्पणियों के लिए कंपनियों को जारी की गई थी । यह नोट किया जाता है कि कि लूसन से समय सीमा के भीतर सत्यापन रिपोर्ट पर कोई टिप्पणियां प्राप्त नहीं हुई थी ।

मै. लूसन के एम ई टी व्यवहार की जांच

32. उत्पादक ने यह दावा किया है कि इसकी सर्वप्रथम स्थापना वर्ष 1990 में सामूहिक स्वामित्व वाली कंपनी के रूप में की गई थी और तत्पश्चात वर्ष 2007 में इसका पूर्ण सीमित दायित्व वाली कंपनी के रूप में पुनर्गठन किया गया था । यह अनुरोध किया गया है कि लूसन के शेयरधारक *** व्यक्ति हैं और इसकी कोई मूल कंपनी नहीं है तथा इसकी एक संबद्ध कंपनी मै. वुजियांग सिटी यीलिंग फॉरेन ट्रेड कंपनी लिमिटेड ने जांच अवधि में भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है ।

33. प्राधिकारी ने कंपनी के एम ई टी उत्तर का अध्ययन किया है । उत्तर की जांच के बाद यह नोट किया जाता है कि कंपनी की आरंभ में स्थापना सामूहिक स्वामित्व वाली कंपनी के रूप में की गई थी और बाद में इसे निजी स्वामित्व वाली कंपनी में बदल दिया गया था ।

एम ई टी प्रश्नावली के उत्तर की जांच

34. यह स्मरणीय है कि लूसन ने एम ई टी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है और उसने एम ई टी प्रदान करने के लिए उनके द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के सत्यापन पर सहमति व्यक्त की है । जांच के दौरान सत्यापन दल को कंपनी की विस्तृत संरचना उपलब्ध कराई गई थी । सत्यापन के दौरान अनुरोध किया गया था कि सुझोऊ लूसन ऑक्सी. कं. लि. चीन की उत्पादन और संबद्ध उत्पाद की घरेलू विक्रेता है बल्कि निर्यातक नहीं है । लूसन की सर्वप्रथम स्थापना एक सामूहिक स्वामित्व वाले उद्यम के रूप में *** को की गई थी और तत्पश्चात चीन के कंपनी कानून के अंतर्गत *** को इसका निजी स्वामित्व वाली कंपनी के रूप में पुनर्गठन किया गया था । लूसन के शेयरधारक दो निजी व्यक्ति *** और सुश्री *** हैं । ये दोनों शेयरधारक संबद्ध वस्तु के उत्पादन और बिक्री करने वाली किसी

अन्य कंपनी से संबंधित नहीं हैं। यह अनुरोध किया गया था कि लूसन की संबद्ध उत्पाद के उत्पादन में संलग्न *** फैक्ट्री है जो ***, जियांगशू प्रांत में स्थित है। जांच अवधि के दौरान एक संबद्ध कंपनी थी जिसका नाम *** था और जो भारत को संबद्ध उत्पाद की निर्यात बिक्री करती थी। यह भी बताया गया कि यीलिन के शेयरधारक *** निजी चीन के व्यक्ति हैं और लूसन तथा यीलिन के बीच संबंध यह है कि यीलिन के *** शेयरधारक अर्थात् *** लूसन के महाप्रबंधक के पद पर हैं। श्री *** को छोड़कर लूसन और यीलिन की किसी अन्य निदेशक मंडल तथा वरिष्ठ कार्यकारियों में भागीदारी नहीं है।

35. यह नोट किया जाता है कि एम ई टी प्रश्नावली के उत्तर में मै. लूसन ने बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार की मांग की और प्राधिकारी से सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु घरेलू बिक्री कीमत पर विचार करने का अनुरोध किया। सत्यापन प्रक्रिया के दौरान जांच दल ने उत्पादक से यह कहा कि वह इस आशय की पुष्टि हेतु दस्तावेज प्रस्तुत करे कि वे किस प्रकार बाजार अर्थव्यवस्था प्रदान करने से संबंधित पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 में उल्लिखित विभिन्न मानदंडों को पूरा करते हैं। तथापि, उत्पादक और निर्यातक ने जांच दल को अपेक्षित दस्तावेज प्रस्तुत करने से इंकार कर दिया है। इसके अलावा संबद्ध निर्यातक और उत्पादक ने बताया कि बाजार अर्थव्यवस्था के दावों से जुड़े दस्तावेज शायद उपलब्ध नहीं हों और तदनुसार सत्यापन दल को इन्हें उपलब्ध नहीं कराया जा सकता। उपर्युक्त के मद्देनजर एम ई टी प्रदान करने के बारे में आगे कोई जांच आवश्यक नहीं समझी गई थी।

36. उपर्युक्त के मद्देनजर उपर्युक्त फर्म को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान नहीं किया गया है।*

चीन जन.गण. के उन उत्पादकों और निर्यातकों, जिन्होंने एम ई टी का दावा नहीं किया है और उन उत्पादकों तथा निर्यातकों, जिनके एम ई टी के दावे को स्वीकार नहीं किया गया है, के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

37. इस संबंध में नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 में उपबंध है कि :

"गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा, जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा। जहां उचित हो उचित समयसीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा। जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी।"

38. जैसा कि ऊपर उल्लेख किया गया है, प्राधिकारी उपर्युक्त दोनों उत्पादकों, जिन्होंने उपर्युक्त कारणों के अनुसार बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार का दावा किया है, को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करना उचित नहीं समझते हैं। अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमानुसार किया जा रहा है। जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना में चीन जन गण. के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु किसी उचित प्रतिनिधि देश का सुझाव देने के लिए सभी हितबद्ध पक्षकारों से टिप्पणियां मांगी गई थीं। तथापि, किसी भी पक्षकार ने किसी उचित प्रतिनिधि देश का सुझाव नहीं दिया है। आवेदकों ने यह दावा किया है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण तीसरे देशों में कीमतों के आधार पर नहीं किया जा सकता क्योंकि आयात व्यावहारिक तौर पर चीन से हुए हैं। विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन के लिए अपेक्षित प्रमुख कच्ची सामग्री पैरा नाइट्रो क्लोरो बेंजीन (पी एन सी बी) है। आवेदकों ने दावा किया है कि इस तथ्य कि प्रमुख निविष्टियों की कीमत में चीन में बाजार मूल्यों का पर्याप्त प्रदर्शन नहीं होता है की स्पष्ट तौर पर पुष्टि इस तथ्य से की जाती है कि चीन से पी एन सी बी की आयात कीमत में वृद्धि उस ढंग से नहीं हुई है और इसमें भारतीय बाजार में वृद्धि हुई है। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य निर्धारित करने की कार्यवाही की है और इसका निर्धारण “किसी अन्य उचित आधार” पर किया है। प्राधिकारी ने प्रमुख कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमत और बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक व्यय और उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित भारत में उत्पादन लागत के अनुसार अन्य सभी लागत को ध्यान में रखते हुए “सामान्य मूल्य” निर्धारित किया है।

सहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

अपनाई गई सामान्य कार्यप्रणाली

39. सभी प्रतिवादी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण उनकी परिशिष्टवार सूचना और उनके द्वारा दावा किए गए समस्त समायोजनों पर विचार करने के बाद भारत के लिए उनकी निर्यात कीमत को ध्यान में रखकर किया गया है। इसके अलावा, सी आई एफ निर्यात कीमत का समायोजन, समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, अंतरदेशीय भाड़े, पत्तन व्यय और बैंक कमीशन आदि के लिए किया गया है। निवल निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु इन निर्यातकों द्वारा प्रदत्त और प्राधिकारी द्वारा बाद में सत्यापित सूचना को ध्यान में रखा गया है।

मै. हेबेई योंगटेई क्रिएट कैमिकल कं. लि. (योंगटेई) के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण

40. यह नोट किया गया था कि जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु के निर्यातों के केवल *** के सौदे किए गए थे। यह नोट किया गया था कि कंपनी ने भारत को नम आधार पर *** कि.ग्रा. पी एन ए और शुष्क आधार पर *** कि.ग्रा. का निर्यात किया है। ये सौदे *** आयातक को किए गए हैं। यह भी नोट किया गया था कि इन सौदों में डिलीवरी की शर्तें सी आई एफ नवांशेवा पर आधारित थीं। इन सौदों के संबंध में समुद्री भाड़े, अंतरदेशीय भाड़े, पत्तन प्रभार, विदेशी बीमा, ऋण लागत तथा वैट और बैंक प्रभारों के लिए समायोजनों का दावा किया गया था। इन समायोजनों से संबंधित समर्थकारी समस्त दस्तावेजों का सत्यापन परिशिष्ट-2 में किए गए दावों के साथ किया गया था।

41. कंपनी से यह कहा गया था कि वह अम. डॉ. से आर एम बी में परिवर्तन हेतु अपनाई गई विनिमय दर को प्रदर्शित करने के लिए दस्तावेजी साक्ष्य प्रदान करें । अपने दावे के समर्थन में कंपनी ने सौदा अवधि के लिए बैंक ऑफ चायना द्वारा प्रकाशित विनिमय दर की प्रतियां उपलब्ध कराई और उन्हें क्रमबद्ध पाया गया । यह बताया गया कि इस कंपनी को पूर्व में एक सत्यापन रिपोर्ट जारी की गई थी जिसमें उत्पादक और निर्यातक द्वारा दावा किए गए समायोजनों का सत्यापन दर्शाया गया था । इस संबंध में कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई है । इन समायोजनों की अनुमति निवल निर्यात कीमत निकालने के लिए प्रदान की गई है ।

लूसन द्वारा उत्पादित तथा यीलिन द्वारा निर्यातित संबद्ध वस्तु की निर्यात कीमत का निर्धारण

42. यह नोट किया गया था कि जांच अवधि के दौरान भारत सहित अन्य देशों को पर्याप्त निर्यात बिक्री की गई थी । सत्यापन के दौरान वस्तुतः यह अनुरोध किया गया था कि उसने लूसन समेत कई स्रोतों से संबद्ध वस्तु प्राप्त की और भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात किया । इन निर्यातकों द्वारा दायर श्रृंखलाबद्ध वैट बीजक से यह भी देखा गया कि उसने लूसन से संबद्ध वस्तु की खरीद की थी ।

43. यह नोट किया जाता है कि मै. हुआंग सिटी यीलिंग फॉरेन ट्रेड कंपनी लिमिटेड (यीलिंग) (निर्यातक) ने एम ई टी तथा निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है । यह नोट किया गया कि यद्यपि, यह कंपनी लूसन से विधिक रूप से अलग है, तथापि, उसका महाप्रबंधक भी लूसन में प्रमुख शेयरधारक है । वस्तुतः यह अनुरोध किया गया था कि इनमें मूलतः पारिवारिक संबंध हैं । सत्यापन के दौरान यह भी नोट किया गया था कि यीलिन ने लूसन से लूसन और जांच अवधि के दौरान अन्य उत्पादकों से भी संबद्ध वस्तु की खरीद की है जिसका उन्होंने निर्यात भारत तथा अन्य देशों को किया है । यह भी नोट किया जाता है कि अपने उत्तर में यीलिन ने भारत को संबद्ध वस्तु के लिए किए गए उन निर्यातों का लेखाजोखा दिया है, जिनकी खरीद उसने जांच अवधि के दौरान लूसन से की थी । आगे यह नोट किया गया कि उसने *** अम.डॉ. के कुल सकल मूल्य पर इस अवधि के दौरान लूसन से प्राप्त संबद्ध वस्तु का भारत को *** मी.ट. का निर्यात किया है । उसने भारत को की गई अपनी बिक्री का मासिक लेखाजोखा भी परिशिष्ट-2 में दिया है ।

44. यह नोट किया जाता है कि निर्यात सौदे भारत में कई आयातकों को किए गए हैं । यह भी नोट किया जाता है कि समुद्री भाड़े, अंतरदेशीय भाड़े, पत्तन प्रभार, समुद्री बीमा, ऋण लागत तथा वैट और बैंक प्रभारों के लिए समायोजनों का दावा किया गया है । इन समायोजनों से संबंधित समस्त समर्थनकारी दस्तावेजों का सत्यापन परिशिष्ट-2 में किए गए दावों से किया गया है । वाणिज्य दस्तावेजों में शामिल हैं- वाणिज्यिक वीजा, वाणिज्यिक संविदा, पैकिंग सूची, लदान बिल, विश्लेषण प्रमाण पत्र, सीमाशुल्क घोषणा, रिकॉर्डिंग बीजक, ऋण पत्र, समुद्री भाड़ा बीजक, हैंडलिंग बीजक, समुद्री बीमा बीजक, संग्रहण प्रमाण पत्र, वैट वापसी पत्र और क्रय वैट बीजक ।

45. कंपनी से यह कहा गया था कि वह अम. डॉ. से आर एम बी में परिवर्तन हेतु अपनाई गई विनिमय दर को प्रदर्शित करने के लिए दस्तावेजी साक्ष्य प्रदान करें । अपने दावे के समर्थन में कंपनी ने सौदा अवधि के लिए बैंक ऑफ चायना द्वारा प्रकाशित विनिमय दर की प्रतियां उपलब्ध कराई और उन्हें क्रमबद्ध पाया गया । यह स्मरणीय है कि इस कंपनी को एक सत्यापन रिपोर्ट जारी की गई थी जिसमें उत्पादक और निर्यातक द्वारा दावा किए गए समायोजनों का सत्यापन दर्शाया गया था । इस

संबंध में कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई है । वैट समायोजनों के बारे में परिशिष्ट-2 में वैट वापसी के लिए 90% की दर से समायोजनों का दावा किया गया है जबकि वैट की गैर-वापसी के लिए समायोजनों का दावा संशोधित परिशिष्ट-2 में 8% की दर से किया गया है । इन समायोजनों की अनुमति निवल निर्यात कीमत निकालने के लिए प्रदान की गई थी ।

लूसन द्वारा उत्पादित और हेंगझोउ डेंगशेंग कैमिकल कं. लि. (निर्यातक) द्वारा निर्यातित संबद्ध वस्तु की निर्यात कीमत का निर्धारण

46. मै. हेंगझोउ डेंगशेंग कैमिकल कं. लि. (जिसे आगे डेंगशेंग कहा गया है) संबद्ध उत्पाद की निर्यातक/व्यापारी है परंतु यह संबद्ध उत्पाद की उत्पादक नहीं है । यह नोट किया जाता है कि डेंगशेंग ने विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं से घरेलू बाजार में संबद्ध उत्पाद की खरीद की और बाद में उसे भारत सहित विश्व बाजार में निर्यात किया । निर्यातक प्रश्नावली की परिशिष्ट 2 के अनुसार भारत के लिए उनकी निर्यात कीमत की जाँच के दौरान यह नोट किया गया था कि परिशिष्ट 2 में दिए गए साक्ष्य के अनुसार लूसन से प्राप्त संबद्ध वस्तु का उनके द्वारा भारत को किए गए कुल निर्यात में से उन्होंने एक व्यापारी मै. एसियाटिक हॉगकाँग जिसने उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है, के जरिए भारत को *** मी. टन संबद्ध वस्तु का निर्यात किया । वस्तुतः यह नोट किया गया था कि डेंगशेंग द्वारा निर्यातित और एसियाटिक हॉगकाँग के जरिए भारत को बेची गई संबद्ध वस्तु की निर्यात कीमत प्राधिकारी को उपलब्ध नहीं कराई गई है । यह उल्लेखनीय है कि एसियाटिक हॉगकाँग के ब्यौरे और निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करने के लिए निर्यातक को पूर्व में एक कमी संबंधी पत्र जारी किया गया था । तथापि, प्राधिकारी को समयावधि के भीतर ऐसा कोई ब्यौरा उपलब्ध नहीं कराया गया था । यह बताया जाता है कि इस कंपनी को एक सत्यापन रिपोर्ट जारी की गई थी जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ इस तथ्य का उल्लेख किया गया था कि उन्होंने निर्यातक प्रश्नावली की परिशिष्ट 2 में किए गए उल्लेखानुसार भारत को उनके द्वारा किए गए समस्त निर्यातों के ब्यौरे उपलब्ध नहीं कराए गए हैं । यह नोट किया जाता है कि मै. डेंगशेंग ने सत्यापन रिपोर्ट के अपने उत्तर में यह टिप्पणी की है कि उन्हें पृथक पाटन मार्जिन दिया जाना चाहिए क्योंकि उन्होंने भारत को भी सीधे निर्यात किया था । उन्होंने प्राधिकारी के पूर्ववर्ती जाँच परिणामों का भी उल्लेख किया जिनमें ऐसी ही स्थितियों में निर्यातकों को पृथक मार्जिन दिया गया था ।

प्रकटन विवरण के बाद मै. डेंगशेंग की टिप्पणियाँ

47. निर्यातक मै. डेंगशेंग ने प्रकटन विवरण पर अपनी टिप्पणियाँ प्रस्तुत करते हुए यह नोट किया है कि उन्हें पृथक पाटन मार्जिन दिया जाना चाहिए क्योंकि उनके कुछ निर्यात सीधे भारत को हुए थे । यद्यपि भारत को किए गए अधिकांश निर्यातों के लिए निर्यात कीमत और समायोजनों के बारे में प्राधिकारी को कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया गया है । उन्होंने प्राधिकारी द्वारा निपटाए गए कुछेक पूर्ववर्ती मामलों का भी उल्लेख किया है जिनमें कथित सामान्य परिस्थितियों में उत्पादक को पृथक पाटन मार्जिन प्रदान किया गया है ।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

48. प्राधिकारी ने इस संबंध में मै. डेंगशेंग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों की टिप्पणियों की जाँच की है और यह नोट किया है कि इन मामलों के तथ्य संबंधित मामले से तुलनीय नहीं हैं। यह नोट किया जाता है कि मै. डेंगशेंग ने परिशिष्ट 2 में किए गए उल्लेख के अनुसार भारत को किए गए और उत्पादक मै. लूसन से प्राप्त सभी निर्यातों के संबंध में ब्यौरे उपलब्ध नहीं किए हैं। यह भी नोट किया जाता है कि एसियाटिक हॉगकाँग के कुछेक बीजकों को छोड़कर डेंगशेंग को जारी कमी संबंधी पत्र के बावजूद जिसमें उनसे निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर में अपेक्षित समस्त संगत दस्तावेज उपलब्ध कराने के लिए कहा गया था, प्राधिकारी को कोई सूचना प्रदान नहीं की गई है। उपर्युक्त तथ्य को ध्यान में रखते हुए निर्यातक के रूप में डेंगशेंग और उत्पादक के रूप में लूसन को पृथक पाटन मार्जिन प्रदान नहीं किया गया है।

अन्य उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

49. चीन जन.गण. के अन्य असहयोगी उत्पादकों तथा निर्यातकों के मामले में निर्यात कीमत का निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के आधार पर न्यून प्रतिनिधिक स्तर पर सौदा निर्यात कीमत पर विचार करने के बाद किया गया है। सहयोगी निर्यातकों की निम्न निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, ऋण लागत आदि के लिए समायोजन किए गए हैं।

पाटन मार्जिन और पाटन मार्जिन % को दर्शाने वाली तालिका

विवरण	निर्यातक	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन %
मै. हेबेई योंगटायी क्रिएट कैमिकल कं. लि. (योंगटायी)	मै. हेबेई योंगटायी क्रिएट कैमिकल कं. लि. (योंगटायी)	****	34-38
मै. सुझोऊ लूओसेन ऑक्सीलरीज कं. लि. (उत्पादक)	वूजियान सिटी यीलिन फॉरेन ट्रेड कंपनी लि.	****	28-32
अन्य	अन्य	****	60-65%

ड. क्षतिड.1. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

50. घरेलू उद्योग ने तर्क दिए हैं कि :

(i) क्षति अवधि के दौरान चीन जन.गण. से पाटित आयातों की मात्रा में समग्र रूप में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

(ii) आयात में भारत में कुल आयातों, उत्पादन और खपत की तुलना में भारी वृद्धि हुई है।

(iii) भारत आसत आयात कीमत (मूलभूत सीमाशुल्क शामिल करने के बाद) घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से काफी कम रही है जिससे कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है ।

(iv) पाटित सी आई एफ निर्यात कीमत से आयातों की पहुंच कीमत में भारी कमी आई है । इसका घरेलू उद्योग पर प्रत्यक्ष प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है । आयातों की पहुंच कीमत में आई कमी से भारतीय उत्पादक विधि सम्मत कीमत वृद्धि करने से वंचित हुए हैं ।

(v) आयातों में वृद्धि होने के कारण क्षमता उपयोग, मालसूची, बाजार हिस्से, लाभ, निवेश पर आय आदि के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है ।

(vi) देश में उत्पाद की मांग में सकारात्मक प्रवृत्ति दिखाई दी जबकि इसी समय घरेलू उद्योग और समग्र भारतीय उत्पादकों की बिक्री में नकारात्मक प्रवृत्ति दिखाई दी ।

(vii) आयातों में समग्र रूप में तथा उत्पादन और खपत की तुलना में वृद्धि होने के कारण घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई ।

(viii) क्षति अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है ।

(ix) क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की निवेश पर आय (एन एफ ए आधार पर) में अत्यधिक गिरावट आई है । इससे चीन जन.गण. से हुए पाटित आयातों के कीमत ह्रासकारी और न्यूनकारी प्रभाव का स्पष्ट पता चलता है, जिसकी वजह से घरेलू उद्योग को भारी घाटा हुआ है ।

(x) मालसूची का स्तर काफी अधिक है ।

(xi) संबद्ध देश से पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम सीमा से अधिक है अपितु अत्यधिक भी है । घरेलू उद्योग पर पाटन का प्रभाव काफी अधिक पड़ा है और उसमें धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है ।

(xii) भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु के अत्यधिक पाटन के कारण उद्योग को भारी वित्तीय घाटा हुआ है । परिणामतः कुछ उत्पादक उत्पादन रोकने के लिए बाध्य हुए हैं । जांच अवधि के दौरान जिन उत्पादकों ने उत्पादन रोका है, वे हैं :-

1. प्रीति कैमिकल्स
2. साई एमीनिस प्रा.लि.
3. न्यू इंडिया बिज कैम प्रा. लि.
4. अमरन्तडाईकेम
5. के एंड टी कैमिकल्स
6. मुक्तेस कैमिकल्स प्रा.लि.

7. विबग्योर कैमिकल्स
8. ओमी इंडस्ट्रीज
9. वोल्गा ऑर्गेनिक्स प्रा. लि.
10. यशरसायन

(xiii) दो भारतीय उत्पादकों की सीमित क्षमताओं और पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने पर एकाधिकार की स्थिति उत्पन्न होने के बारे में आयातकों की टिप्पणियों के उत्तर में यह अनुरोध किया गया है कि अनुमानित भारतीय उत्पादन 1200 मी.ट. प्रति माह है (याचिकाकर्ता 600-700 और पनोली 500-600) और कई इकाइयों ने संबद्ध वस्तु का विनिर्माण बंद कर दिया है। संबद्ध वस्तु की कीमत इच्छानुसार होने के बारे में यह अनुरोध किया गया है कि आयातकों की खुद की स्वीकारोक्ति के अनुसार याचिकाकर्ता आयातों की तुलनीय कीमत पर बिक्री करने के लिए बाध्य है और अपनी इच्छानुसार उत्पाद की बिक्री करने वाला कोई पक्षकार आयात कीमत को अपनाने के लिए बाध्य नहीं होगा। इससे स्पष्ट तौर पर यह सिद्ध होता है कि याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग हैं और उत्पाद के पाटन से कई कंपनियां अपना उत्पादन बंद करने के लिए बाध्य हुई हैं।

ड.2. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के उत्तर (आयातक तथा प्रयोक्ता)

51. जांच के बारे में निम्नलिखित आयातकों और प्रयोक्ताओं ने टिप्पणियां प्रस्तुत की हैं :-

- अंबुजा इंटरमिडिएट प्रा.लि
- कैमस्टारा
- गोपीनाथ कैम. टैक. लि.
- कॉस्मो कैमिकल्स प्रा.लि.
- कैम-आर्ग
- मै. गुरुएब डाइस्टफ (इंडिया) प्रा.लि.

आयातकों और प्रयोक्ताओं द्वारा यह अनुरोध किया गया है कि भारत में पी एन ए के केवल दो प्रमुख विनिर्माता हैं और पी एन ए कीमत उनकी इच्छानुसार तय होती है। यह भी अनुरोध किया गया है कि चीन से आयात और पी एन ए की भारतीय बाजार में कीमतों के बीच कोई खास अंतर नहीं है और भारतीय विनिर्माताओं की कीमतें चीन की कीमतों के समान अथवा इन कीमतों से भी कम पायी गई हैं। उन्होंने आगे कहा है कि किसी पाटनरोधी शुल्क से उन्हें पी एन ए की कीमत तय करने में खुली छूट मिल जाएगी, जिससे उत्पाद के बारे में एकाधिकार की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी और अंतिम उत्पाद के उपभोक्ता अप्रतिस्पर्धी बन जाएंगे। यह भी कहा गया है कि यदि पी एन ए के आयात पाटनरोधी शुल्क से प्रतिबंधित किए जाते हैं तो चीन के निर्यातक भारत को पी एन ए से तैयार अंतिम उत्पाद का निर्यात शुरू कर देंगे। यह भी कहा गया है कि चीन के आयातों से घरेलू विनिर्माताओं को कोई खतरा नहीं है। प्राधिकारी के समक्ष यह बात भी लाई गई है कि पी एन ए के विनिर्माण हेतु शुरुआती कच्ची सामग्री पी एन सी बी है और पी एन सी बी के मात्र 2-3 प्रमुख विनिर्माता हैं जो भारत में पी एन ए के प्रमुख विनिर्माता भी हैं। यह भी बताया गया है कि इस मामले में मुख्य

याचिकाकर्ता अभिलाषा टैक्स कैम प्रा.लि. तथा मै. अमर ज्योत कैमिकल्स प्रा.लि. हैं, जो आरती इंड लि. की ग्रुप कंपनियां हैं। मै. पनोली इंटरमीडिएट्स लिमिटेड एक अन्य याचिकाकर्ता है और वह पी एन सी वी तथा पी एन ए का प्रमुख विनिर्माता है। यह अनुरोध किया गया है कि पाटनरोधी शुल्क लागू किए जाने का कोई निर्णय लेने से पूर्व अमरज्योत तथा अभिलाषा के तुलन पत्र पर विचार किया जाना चाहिए और इस बात का सत्यापन किया जाना चाहिए कि क्या उन्हें घाटा हो रहा है और वह कीमत क्या है जिस पर आरती द्वारा पी एन सी बी की बिक्री स्थानीय बाजार के लिए बिक्री कीमत की तुलना में अभिलाषा और अमरज्योत को की जा रही है। यह भी बताया गया है कि पी एन ए के दोनों प्रमुख विनिर्माताओं के पास पी एन ए की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने की क्षमता नहीं है। अतः आपूर्ति के एक वैकल्पिक स्रोत को खुला रखना चाहिए।

52. निम्नलिखित हितबद्ध पक्षकारों ने प्रकटन विवरण पर टिप्पणियाँ प्रस्तुत की हैं :

- जय ऑर्गेनिक्स, अहमदाबाद
- चीन की निर्यातक डेंगशेंग की ओर से विश्व व्यापार परामर्शदाता तथा एडवोकेट
- केम-ऑर्ग, थाणे
- कन्टीनेन्टल कैमिकल्स, अहमदाबाद
- अम्बुजा इंटरमीडिएट्स प्रा. लि.
- केमस्टार, डोंम्बीवली, महाराष्ट्र
- गुरुदेव डायस्टफ्स (इंडिया) प्रा. लि.
- आरती ऑर्गेनिक
- घरेलू उद्योग

(i) कुछेक प्रयोक्ताओं और आयातकों ने जाँच की प्रक्रिया के दौरान प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया और कार्य प्रणाली पर आपत्ति व्यक्त की है। उन्होंने खासकर प्रकटन विवरण पर टिप्पणियाँ प्रदान करने के लिए प्रदान किए गए कम समय पर आपत्ति की है। उन्होंने इस बात पर भी आपत्ति की है कि इस तथ्य के बावजूद कि भारत में संबद्ध वस्तु के आयातक हैं, जाँच की शुरुआत के बाद सार्वजनिक सूचना की प्रति उन्हें नहीं मिल सकी। कुछ आयातकों और प्रयोक्ताओं ने यह भी टिप्पणी की है कि उनसे न तो आवेदक ने संपर्क किया है और न ही इस कार्यालय द्वारा संपर्क किया गया है और उन्हें अनुरोध प्रस्तुत करने का अवसर नहीं दिया गया है। आयातों के कीमत प्रभाव के बारे में उन्होंने जाँच अवधि के दौरान प्राधिकारी द्वारा कीमत कटौती के निर्धारण पर आपत्ति की है। अपने उत्तर में उन्होंने उस अवधि के दौरान किए गए आयातकों के कुछ परेषणों का लेखाजोखा लिया है और यह बताया है कि उस समय चीन की कीमतें घरेलू उद्योग की कीमतों से काफी अधिक थी। घरेलू उद्योग के उत्पादन, क्षमता तथा माँग के बारे में उन्होंने पुनः यह तथ्य रेखांकित किया है कि घरेलू उद्योग माँग के केवल 52% की पूर्ति कर सकता है जबकि भारतीय उपभोक्ताओं की माँग को पूरा करने के लिए शेष 48% मात्रा का आयात किया गया है जिसे पाटन नहीं माना जा सकता और इसलिए ऐसे आयातों पर पाटनरोधी शुल्क भारतीय उपभोक्ताओं के लिए पूर्णतः अन्यायपूर्ण है। जहाँ तक पाटन के कारण 10 इकाइयों के बंद होने के बारे में घरेलू उद्योगों के तर्क का संबंध है, उन्होंने बताया है कि ये तथ्य झूठे और गलत हैं और आगे यह कहा है कि इनमें से कम-से-कम 5 कंपनियों का चीन जन. गण. से हुए आयातों से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने वर्ष 2006-07 के लिए

डीजीसीआईएस के आंकड़े और 2007-08 से जांच अवधि तक के लिए आईबीआईएस के आंकड़े मात्रा एवं कीमत प्रभाव के निर्धारण हेतु लिए जाने पर भी आपत्ति व्यक्त की है। उन्होंने आगे यह बताया है कि क्षति के निर्धारण में यह तरीका गलत है जो न्यायालय में नहीं ठहरेगा। इनमें से कुछ आयातकों और प्रयोक्ताओं ने प्राधिकारी को अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए और अधिक समय भी माँगा है। निर्यातक मै. डेंगशेंग ने प्रकटन विवरण पर अपनी टिप्पणियों में यह अनुरोध किया है कि उन्हें पृथक पाटन मार्जिन दिया जाना चाहिए क्योंकि उनके कुछ निर्यात सीधे भारत को हुए हैं। यद्यपि भारत को किए गए अधिकांश निर्यातों की निर्यात कीमत और समायोजनों के बारे में साक्ष्य प्राधिकारी को उपलब्ध नहीं कराए गए थे। उन्होंने प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पूर्ववर्ती मामलों का भी उल्लेख किया है जिनमें किसी प्रकार की परिस्थितियों में उत्पादक को पृथक पाटन मार्जिन प्रदान किया गया है।

(ii) दूसरी ओर घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से अंतिम जाँच परिणाम शीघ्र जारी करने का अनुरोध किया है घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से आगे यह अनुरोध किया है कि प्रतिवादी कंपनियों को बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे से इन्कार किया जाए। घरेलू उद्योग ने यह भी उल्लेख किया है कि एसियाटिक हाँगकाँग से उत्तर के अभाव में डेंगशेंग को पृथक पाटन मार्जिन नहीं दिया जाना चाहिए। उन्होंने आवेदन तथा सार्वजनिक सुनवाई के बाद किए गए अपने लिखित अनुरोधों में क्षति एवं कारणात्मक संबंध से संबंधित तर्कों को दोहराया है। उन्होंने खासकर बाजार हिस्से, लाभ, निवेश पर आय, नकद प्रवाह और मालसूची के संबंध में क्षति अवधि के दौरान आयात की मात्रा, कीमत कटौती, कीमत ह्रास में अत्यधिक वृद्धि और अत्यधिक गिरावट का उल्लेख किया है। आरती और याचिकाकर्ताओं के बीच संबंध के बारे में यह अनुरोध किया गया है कि आरती इंडस्ट्रीज द्वारा किए गए बिक्री व्यय हेतु क्षतिरहित कीमत में 500 रु./मी. टन की राशि जोड़नी अपेक्षित है। उन्होंने प्राधिकारी से इस तथ्य की जाँच करने का भी अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग के लिए क्षतिरहित कीमत के निर्धारण हेतु नकारात्मक कार्यशील पूंजी पर विचार किया गया है। उन्होंने प्राधिकारी से यह अनुरोध किया है कि कृपया कार्यशील पूंजी पर तीन माह की कार्यशील पूंजी जैसे कुछ मानक मानदण्डों के आधार पर विचार करें। उन्होंने प्राधिकारी से घरेलू उद्योग की रक्षा हेतु पर्याप्त पाटनरोधी शुल्क लगाने का भी अनुरोध किया है। अपने अनुरोध में उन्होंने प्राधिकारी से नियत आधार पर और भारतीय रूप में पाटनरोधी शुल्क लगाने का निवेदन किया था।

ड.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

53. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों को नोट किया है। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II में यह उपबंध है कि क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पाटित आयातों की मात्रा और समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव; तथा (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातकों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।

54. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iv) में निम्नानुसार उल्लेख है : "संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट, सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा ।"

55. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के तथ्यों और तर्कों को ध्यान में रखते हुए क्षति मापदंडों की तथ्यपरक जांच की है । क्षति मापदंडों का विश्लेषण करने के लिए दोनों उत्पादकों के लेखा परीक्षित तुलन पत्रों सहित समस्त संगत दस्तावेजों की प्राधिकारी ने जांच की है और उनका सत्यापन किया है । प्राधिकारी ने दोनों घरेलू उत्पादकों के लेखा परीक्षित लेखों से यह भी नोट किया है कि उन्हें जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की घरेलू बिक्री पर घाटा हो रहा था । भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दों से संबंधित विषय पर प्राधिकारी ने उचित शीर्षों के अंतर्गत कार्रवाई की है । पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के कारण उपभोक्ताओं के अप्रतिस्पर्धी बनने और अंतिम उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क के प्रभाव के मुद्दे के बारे में यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के कारण उपभोक्ताओं के अप्रतिस्पर्धी बनने का प्रश्न खासकर तब नहीं उठता है जब पाटनरोधी शुल्क की मात्रा पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन से कम रखी जाए । इसके अलावा, यह स्वीकार किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामतः इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है । तथापि, पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी खासकर तब जबकि पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए आवश्यक राशि तक सीमित रखा जाएगा । इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहार द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी ।

प्रकटन विवरण के पश्चात की गई टिप्पणियों की प्राधिकारी द्वारा जाँच

56. प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण के बाद सभी हितबद्ध पक्षकारों की टिप्पणियों की भी जाँच की है । जहाँ तक प्रकटन विवरण और जाँच शुरुआत संबंधी अधिसूचना पर टिप्पणियाँ प्रस्तुत करने के लिए उन्हें दिए गए समय का संबंध है, यह अनुरोध किया जाता है कि जाँच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रतियाँ विधिवत रूप से सभी हितबद्ध पक्षकारों को भेजी गई थीं जिनके बारे में आवेदक ने प्राधिकारी को दिए गए आवेदन में बताया था । इसके अलावा, यह राजपत्र अधिसूचना के रूप में उपलब्ध थी और इसे वाणिज्य विभाग की वेबसाइट पर डाला गया था । इसके अलावा, उपर्युक्त अधिकांश आयातकों और प्रयोक्ताओं सहित समस्त हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उत्तर दायर करने के लिए समय बढ़ाने का अनुरोध किए जाने के बाद उन्हें जाँच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का उत्तर देने हेतु विधिवत समय प्रदान किया गया था । इसके अलावा, समस्त हितबद्ध पक्षकारों को सार्वजनिक सुनवाई के बारे में काफी समय पूर्व सूचित किया गया था जो 28 जनवरी,

2011 को आयोजित की गई थी। इसके अलावा, समस्त हितबद्ध पक्षकारों को 30 मार्च, 2011 को आयोजित एक अन्य सार्वजनिक सुनवाई के रूप में एक और अवसर प्रदान किया गया था। यह नोट किया जाता है कि मै. अम्बुजा इंटरमीडिएट प्रा. लि. को छोड़कर किसी भी आयातक और प्रयोक्ता ने सार्वजनिक सुनवाई में भाग नहीं लिया। इसके अलावा, लिखित अनुरोध केवल मै. अम्बुजा इंटरमीडिएट्स प्रा. लि. ने दायर किया जबकि मै. कैमस्टार, मै. गुरुदेव डायस्टफ इंडिया प्रा. लि., मै. अम्बुजा इंटरमीडिएट प्रा. लि. तथा कैम-ऑर्ग ने पूर्व में अपने विचार प्राधिकारी को प्रस्तुत किए थे। उनके विचारों को प्राधिकारी द्वारा 27 मई, 2011 को जारी प्रकटन विवरण में विधिवत ध्यान में रखा गया है जिसे उसी दिन टिप्पणियाँ यदि कोई हों, प्रस्तुत करने के लिए समस्त हितबद्ध पक्षकारों को ई-मेल से भेजा गया था। इसके अलावा, डीजीएडी द्वारा सार्वजनिक फाइल रखी गई थी जिसके लिए किसी भी आयातक तथा प्रयोक्ता ने निरीक्षण का अनुरोध नहीं किया। अतः यह नोट किया जाता है कि संबद्ध जाँच में उत्तर देने के लिए समस्त हितबद्ध पक्षकारों को सभी चरणों पर पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया है। आयातों पर कीमत प्रभाव के बारे में यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने चीन जन. गण. से क्षति अवधि के दौरान भारत में किए गए संबद्ध वस्तु के समस्त आयातों की पहुँच कीमत को ध्यान में रखने के बाद कीमत कटौती का निर्धारण किया है। अतः कीमत कटौती का निर्धारण केवल कुछ प्रयोक्ताओं और आयातकों द्वारा आयातित कुछ परेषणों के संबंध में नहीं किया गया है। जहाँ तक माँग तथा आपूर्ति के बीच अंतर और भारत में संबद्ध वस्तु की माँग को पूरा करने की अपेक्षित क्षमता आवेदकों के पास न होने का संबंध है, यह नोट दिया जाता है कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य संबद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा अपनाए गए अनुचित व्यापार व्यवहारों को कम करना है। इसके अलावा, भारतीय उद्योग के हित के बारे में प्राधिकारी का विचार इस जाँच परिणाम के उचित शीर्षों में विशिष्ट रूप से व्यक्त किए गए हैं। अवधि और क्षति अवधि के लिए आंकड़ों के संग्रहण के स्रोत के बारे में यह नोट किया जाता है कि डीजीसीआईएंड एस के आंकड़े आधार वर्ष के लिए लिए गए हैं क्योंकि ये मात्रा में अधिक थे और मात्रात्मक विश्लेषण हेतु आईबीआईएस के आंकड़े लिए जाने से घरेलू उद्योग के पक्ष में मात्रात्मक प्रभाव की अस्पष्ट स्थिति उत्पन्न हो सकती थी। तथा आधार वर्ष के लिए आईबीआईएस के आंकड़ों में सूचित मात्रा काफी कम थी (अहमदाबाद से हो रहे अधिकांश आयात वर्ष 2006-07 के दौरान आईबीआईएस में प्रदर्शित नहीं किए गए थे)। इसके अलावा, इस बात को भी नोट किया गया है और उपर्युक्त कुछेक आयातकों ने भी इसकी पुष्टि की है कि प्रत्येक इकाई कीमतों में क्षति अवधि के दौरान दोनों स्रोतों के बीच काफी अंतर नहीं है। जहाँ तक कीमत वचन पत्र को स्वीकार किए जाने का संबंध है, यह निर्णय लिया गया था कि नियमावली के नियम 15(2) और 15(3) के अनुसार मै. योंगताई के कीमत वचनपत्र को स्वीकार न किया जाए।

57. जहाँ तक घरेलू उद्योग द्वारा मै. आरती ऑर्गेनिक लि. के बिक्री-व्यय को ध्यान में रखते हुए संबद्ध वस्तु की क्षतिरहित कीमत को बढ़ाने के बारे में दिए गए तर्क का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि उन्होंने आवेदक उद्योगों की सूचना के सत्यापन और उसके बाद इसकी पुष्टि नहीं की है और इसलिए इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती। इसके अलावा, कार्यशील पूँजी के निर्धारण के बारे में यह नोट किया जाता है कि इसका निर्धारण प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई सतत पद्धति के अनुसार किया गया है। निर्धारित आधार पर और भारतीय रूप में शुल्क लगाने के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध के संबंध में यह नोट किया जाता है कि पाटन मार्जिन की समस्त जाँच अम. डॉ. में की गई है। इसलिए शुल्क निर्धारित शुल्क के रूप में और अम. डॉ./कि.ग्रा. में लगाया गया है।

आयात, मांग, मात्रा तथा बाजार हिस्सा:-

58. देश में उत्पाद की मांग का निर्धारण घरेलू उत्पादकों की घरेलू बिक्री और समस्त स्रोतों से हुए आयात की राशि के रूप में किया गया है ।

आयात तथा आयात मात्रा के निर्धारण के आधार के बारे में सामान्य अभ्युक्तियां

59. वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) से पिछले तीन वर्षों और जांच अवधि के दौरान भारत में किए गए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था । डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त सूचना का विश्लेषण किया गया था और उसकी तुलना आई बी आई एस (गौण स्रोत) से प्राप्त सूचना के साथ की गई थी । यह पाया गया था कि डी जी सी आई एंड एस में सूचित आयात की मात्रा वर्ष 2006-07 में आई बी आई एस के आंकड़ों के आधार पर याचिकाकर्ता द्वारा सूचित आयात की मात्रा से काफी अधिक है, जिसका कारण यह है कि आई बी आई एस ने अहमदाबाद पत्तन पर निकासी किए गए आयातों की सूचना नहीं दी है । तथापि, समस्त परवर्ती अवधियों में आई बी आई एस में सूचित आयातों की मात्रा डी जी सी आई एंड एस में सूचित आयात की मात्रा से काफी अधिक है । इसका कारण यह है कि डी जी सी आई एंड एस ने केवल अनन्य वर्गीकरण अर्थात् 2921-4226 के लिए सूचना प्रदान की है जबकि आई बी आई एस ने उत्पाद वितरण के आधार पर सूचना प्रदान की है; और इसीलिए अन्य वर्गीकरण अर्थात् 2921-4211, 4221, 4290 के अंतर्गत सूचित आयातों को भी आई बी आई एस में शामिल किया गया है । आगे यह नोट किया जाता है कि इन दोनों स्रोतों से आयात कीमत में भारी अंतर है । वस्तुतः जांच अवधि के लिए आई बी आई एस में सूचित आयात कीमतें डी जी सी आई एंड एस में सूचित आयात कीमतों से कुछ अधिक हैं । विस्तृत जांच के बाद वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ वर्ष 2006-07 के लिए डी जी सी आई एंड एस और 2007-08, 2008-09 और जांच अवधि के लिए आई बी आई एस की सूचना को ध्यान में रखना उचित समझा गया था ।

60. यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयातों में समग्र रूप में भारी वृद्धि हुई है । इसके अलावा, इसी अवधि के दौरान संबद्ध देश के बाजार हिस्से में अत्यधिक वृद्धि हुई है जैसा कि निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है :-

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जन.-दिसं.'09
चीन से आयात	मी.ट.	1,000	3,202	3,470	3,829
प्रवृत्ति		100	320	347	383
अन्य देश	मी.ट.	2	-	0	0
प्रवृत्ति		100	-	0	1
कुल आयात	मी.ट.	1,002	3,202	3,470	3,829

प्रवृत्ति		100	319	346	382
-----------	--	-----	-----	-----	-----

61. यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के आयात में अत्यधिक वृद्धि हुई है। इसके अलावा, आयातों में प्रत्येक लगातार वर्ष में समग्र रूप में वृद्धि हुई है। इसी समय अन्य देशों से हुए आयात में भारी गिरावट आई है और जांच अवधि में ये शून्य रहे हैं।

मांग

62. यह नोट किया जाता है कि समूची क्षति अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की मांग में वृद्धि हुई और इसमें क्षति अवधि में 77% की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयात में इसी अवधि में समग्र रूप में वृद्धि हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि पाटित आयातों में वृद्धि मांग में हुई वृद्धि से अधिक रही है।

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जन.-दिसं.'09
घरेलू उद्योग की बिक्री (घरेलू)	मी.ट.	4,107	4,572	4,865	5,590
प्रवृत्ति		100	111	118	136
समर्थकों की बिक्री	मी.ट.	783	1,168	1,524	1,686
प्रवृत्ति		100	149	195	215
अन्य उत्पादकों की बिक्री	मी.ट.	864	864	864	864
प्रवृत्ति		100	100	100	100
भारत में आयात	मी.ट.	1,002	3,202	3,470	3,829
प्रवृत्ति		100	319	346	382
भारत में मांग	मी.ट.	6,757	9,806	10,722	11,969
प्रवृत्ति		100	145	159	177

यह नोट किया जाता है कि क्षमिता अवधि में उत्पाद की मांग में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है। यद्यपि, इसी अवधि में घरेलू उद्योग की बिक्री भी बढ़ी है, तथापि घरेलू उद्योग की बिक्री में यह वृद्धि जांच अवधि में मांग में हुई वृद्धि से कम रही है।

विभिन्न मापदंडों की तुलना में आयात

63. यह नोट किया जाता है कि क्षमिता अवधि में उत्पाद की मांग में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है। यद्यपि, इसी अवधि में घरेलू उद्योग की बिक्री भी बढ़ी है, तथापि घरेलू उद्योग की बिक्री में यह वृद्धि जांच अवधि में मांग में हुई वृद्धि से कम रही है।

विभिन्न मापदंडों की तुलना में आयात

64. प्राधिकारी ने भारत में उत्पादन और खपत की तुलना में संबद्ध आयातों की प्रवृत्ति का विश्लेषण किया है। यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान भारत में समान उत्पाद के उत्पादन की तुलना में संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयात में वृद्धि हुई है। इसके अलावा, इसमें भारत में खपत और घरेलू उद्योग की बिक्री की तुलना में भी वृद्धि हुई है।

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जन.- दिसं. '09
चीन जन.गण. से आयात	मी.ट.	1,000	3,202	3,470	3,829
प्रवृत्ति		100	320	347	383
भारत में मांग	मी.ट.	6,757	9,806	10,722	11,969
प्रवृत्ति		100	145	159	177
भारत में उत्पादन	मी.ट.	5,550	6,525	6,889	6,809
प्रवृत्ति		100	118	124	123
कुल आयातों के % के रूप में आयात	%	99.75	100.00	100.00	100.00
प्रवृत्ति		100	100	100	100
मांग के % के रूप में आयात	%	14.80	32.65	32.36	31.99
प्रवृत्ति		100	221	219	216
भारतीय उत्पादकों के % के रूप में आयात	%	18.01	49.07	50.37	56.23
प्रवृत्ति		100	272	280	312
घरेलू उद्योग की बिक्री के % के रूप में आयात	%	24.35	70.04	71.33	68.49
प्रवृत्ति		100	288	293	281

घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा

65. प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु की कुल मांग और घरेलू उद्योग की बिक्री को ध्यान में रखते हुए घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा निर्धारित किया है। निम्नलिखित तालिका से यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में 14% की गिरावट आई जबकि इसी अवधि के दौरान चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के बाजार हिस्से में 17% की वृद्धि हुई। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट को काफी अधिक माना गया है।

मांग में बाजार हिस्सा	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जन.-दिसं.'09
घरेलू उद्योग की बिक्री (घरेलू)	%	60.78	46.62	45.37	46.71
प्रवृत्ति		100	77	75	77
समर्थकों की बिक्री	%	11.59	11.92	14.21	14.09
प्रवृत्ति		100	103	123	121
अन्य उत्पादकों की बिक्री	%	12.79	8.81	8.06	7.22
प्रवृत्ति		100	69	63	56
चीन से आयात	%	14.80	32.65	32.36	31.99
प्रवृत्ति		100	221	219	216
अन्य देशों से आयात	%	0.04	-	0.00	0.00
प्रवृत्ति		100	-	0	0

आयातों का कीमत प्रभाव

66. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, इस बात की जांच की गई है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के कारण कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमत में अन्यथा गिरावट आई है अथवा होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती। निर्यातित उत्पाद के पहुंच मूल्य और व्यापार के समान स्तर पर सभी रिबेटों और करों को छोड़कर घरेलू बाजार के लिए घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत के साथ तुलना की गई है। घरेलू उद्योग की कीमत का निर्धारण कारखाना स्तर पर किया गया था। तुलना से यह पता चला कि जांच अवधि के दौरान चीन के मूल की संबद्ध वस्तु की भारतीय बाजार में बिक्री घरेलू उद्योग की कीमत से कम कीमत पर की गई थी।

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जन.-दिसं.'09
पहुंच मूल्य	रु./किग्रा.	****	****	****	****
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./किग्रा.	****	****	****	****
सूचीबद्ध		100	110	138	118
कीमत कटौती	रु./किग्रा.	****	****	****	****
सूचीबद्ध		(100)	110	(252)	119

कीमत कटौती	%	****	****	****	****
कीमत कटौती	% रेंज	नकारात्मक	0-10%	नकारात्मक	0-10%

67. अतः यह देखा जाता है कि घरेलू कीमतों में कटौती हो रही थी और कटौती का मार्जिन अत्यधिक माना जाता है ।

68. प्राधिकारी ने संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग पर कीमत हासकारी, कीमत न्यूनकारी और कम कीमत पर बिक्री के प्रभाव, यदि कोई हो, की भी जांच की है । जांच के बाद यह निर्धारित किया गया है कि यद्यपि, क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को कोई कीमत हास नहीं हुआ है, तथापि, जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की अत्यधिक कम कीमत पर बिक्री हुई है ।

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जन.- दिसं.'09
घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत	रु./ किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	110	138	119
बिक्री की लागत - घरेलू	रु./ किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	104	131	120
क्षति रहित कीमत रु./किग्रा.					****
पहुंच कीमत	रु./ किग्रा.	****	****	****	****
कम कीमत पर बिक्री	रु./ किग्रा.				****
कम कीमत पर बिक्री (%)					7-15%

69. अतः यह निर्धारित किया जाता है कि यद्यपि, वर्ष 2008-09 की तुलना में जांच अवधि के दौरान लागत में 11% की गिरावट आई, वहीं इसी अवधि में बिक्री कीमत में 17% की गिरावट आई । यद्यपि, आधार वर्ष से लागत और कीमत में मामूली परिवर्तन हुआ है ।

घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

70. नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के विश्लेषण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी । जहां तक ऐसे

उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, नियमों में आगे यह उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक कारकों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले कारकों, पाटन मार्जिन की मात्रा; नकद प्रवाह, माल सूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा। घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच से यह पता चलता है कि उसे वास्तविक क्षति हुई है। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मापदंडों पर नीचे चर्चा की गई है।

(i) उत्पादन, क्षमता तथा क्षमता उपयोग

71.. यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि में उत्पादन में 35% की वृद्धि हुई है। आगे यह नोट किया जाता है कि उत्पाद की मांग में 77% की वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग जांच अवधि में अपनी क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं कर सका। यद्यपि इसी समय क्षमता उपयोग में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जन.- दिसं.'09
क्षमता	मी.ट.	6,300	6,300	6,300	6,300
उत्पादन	मी.ट.	4,132	4,692	4,856	5,567
प्रवृत्ति		100	114	118	135
मांग	मी.ट.	6,757	9,806	10,722	11,969
प्रवृत्ति		100	145	159	177
क्षमता उपयोग	%	65.58	74.48	77.08	88.36
मांग के संबंध में उत्पादन	%	61.15	47.85	45.29	46.51

(ii) घरेलू बिक्री

72. यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि में घरेलू बिक्री में वृद्धि हुई है। इसके अलावा, यह भी नोट किया जाता है कि क्षति अवधि में उत्पाद की मांग भी बढ़ी है। घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि वह देश में पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण मांग में वृद्धि के अनुरूप बिक्री को नहीं बढ़ा सका है।

विवरण	इकाई	2006 -07	2007 -08	2008 -09	जन.- दिसं.' 09
घरेलू बिक्री	मी.ट.	4,10	4,57	4,86	5,59

		7	2	5	0
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	111	118	136
मांग के % के रूप में बिक्री		60.7	46.6	45.3	46.7
में परिवर्तन		8	2	7	1
➤ घरेलू बिक्री	मी.ट.		465	293	726
➤ मांग	मी.ट.		3,05	916	1,24
			0		7

(iii) प्रमुख कच्ची सामग्री की कीमत में वृद्धि

73. यह नोट किया जाता है कि विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन में प्रयोग की जाने वाली प्रमुख कच्ची सामग्री पी एन सी बी है। यह अनुरोध किया गया है कि यद्यपि पी एन सी बी की कीमत बढ़ी है, तथापि, विचाराधीन उत्पाद की बिक्री कीमत में उसी अनुपात में वृद्धि नहीं हुई है।

	पी एन सी बी कीमत	प्रवृत्ति	बिक्री कीमत	प्रवृत्ति
जन-09	****	100	****	100
फर.-09	****	105	****	108
मार्च-09	****	126	****	115
अप्रैल-09	****	136	****	127
मई-09	****	144	****	125
जून-09	****	125	****	117
जुलाई-09	****	139	****	124
अगस्त-09	****	141	****	128
सितं-09	****	140	****	133

अक्टू-09	****	148	****	140
नवंबर-09	****	149	****	133
दिसं.-09	****	156	****	147

(iv) लाभप्रदता

74. घरेलू समान उत्पाद के संबंध में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता की जांच केवल घरेलू बिक्री के संबंध में की गई है। यह देखा गया है कि जांच अवधि में घरेलू उद्योग की संबद्ध वस्तु के संबंध में लाभप्रदता में इतनी गिरावट आई है कि इस अवधि में घाटे की सूचना दी गई है।

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जन.- दिसं.'09
बिक्री की लागत	रु./किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	104	131	120
निवल बिक्री प्राप्ति	रु./किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	110	138	119
लाभ/हानि	रु./किग्रा.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	10,101	12,341	(2,680)
कर पूर्व लाभ	लाख रु.	****	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	11,387	16,303	(3,974)

(v) रोजगार तथा मजदूरी

75. यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि में उत्पादन में वृद्धि हुई है और क्षति अवधि के दौरान रोजगार तथा मजदूरी में भी वृद्धि हुई है। इस मापदंड से घरेलू उद्योग को हुई किसी क्षति अथवा अन्यथा का पता नहीं चलता है।

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जन.- दिसं.'09
-------	------	---------	---------	---------	------------------

कर्मचारियों की संख्या	सं.	****	****	****	****
प्रवृत्ति		100	120	107	107
मजदूरी	लाख रुपए	****	****	****	****
प्रवृत्ति		100	152	173	207
प्रति कर्मचारी मजदूरी	लाख रुपए	****	****	****	****
प्रवृत्ति		100	126	162	193

(vi) उत्पादकता

76. यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि में उत्पादकता में वृद्धि हुई है। क्षति अवधि में उत्पादन बढ़ा है और उत्पादकता में भी ऐसी ही प्रवृत्ति दिखाई देती है।

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जन.- दिसं.'09
प्रति दिवस उत्पादकता	मी.ट.	****	****	****	****
सूचीबद्ध	Trend	100	114	118	135
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी.ट.	****	****	****	****
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	94	110	126

(vii) निवेश पर आय तथा नकद प्रवाह

77. ब्याज पूर्व लाभ तथा उत्पाद के लिए लगाई गई पूंजी पर विचार करते हुए निवेश पर आय निर्धारित की गई है। मूल्यहास पूर्व परंतु ब्याज लागत के बाद लाभ पर विचार करते हुए नकद प्रवाह पर प्रभाव का निर्धारण किया गया है। यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि में लगाई गई पूंजी पर आय में भारी गिरावट आई है।

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जन.- दिसं.'09
लाभ/हानि	रु./किग्रा.	****	****	****	****

प्रवृत्ति	सूचकांक	100	10,101	12,341	12,341
ब्याज पूर्व लाभ	कर पूर्व लाभ	लाख रुपए	****	****	****
प्रवृत्ति	सूचकांक	100	6,960	9,943	(2,366)
आर ओ सी ई	%	****	****	****	****
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	6,435	9,831	(2,128)
नकद लाभ		****	****	****	****
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	242	263	63

यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में वर्ष 2008-09 तक सुधार हुआ लेकिन जांच अवधि में इसमें इतनी गिरावट आई कि घाटे की सूचना दी गई ।

(viii) मालसूची

78. यह नोट किया जाता है कि बिक्री मात्रा में वृद्धि के बावजूद जांच अवधि में हाजिर मालसूची का स्तर काफी अधिक रहा है ।

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जन.-दिसं.'09
औसत माल सूची	मी.ट.	57	113	183	59
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	200	324	105
बिक्री दिवसों की संख्या के बराबर मालसूची	सं	6	12	16	5
सूचीबद्ध	प्रवृत्ति	100	182	252	73

(ix) वृद्धि

79. विभिन्न मापदंडों में वृद्धि से संबंधित सूचना निम्नलिखित तालिका में दी गई है । यह नोट किया जाता है कि यद्यपि, मात्रात्मक मापदंडों के संबंध में वृद्धि सकासत्मक है, तथापि, कीमत मापदंडों के संबंध में वृद्धि नकारात्मक है ।

विवरण	इकाई	2006-07	2007-08	2008-09	जन.-दिसं.'09
-------	------	---------	---------	---------	--------------

उत्पादक	%		13.56	3.49	14.63
घरेलू बिक्री मात्रा	%		11.32	6.41	14.92
घरेलू बिक्री कीमत	%		9.66	25.76	(14.03)
घरेलू बिक्री की लागत	%		3.84	25.96	(8.11)
औसत स्टॉक	%		99.94	62.03	(67.58)
नियोजित पूंजी पर आय (एन एफ ए आधार)	%		9.86	5.28	(18.61)

यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की वृद्धि जो कई मापदंडों के संबंध में पाटन की शुरुआत से पूर्व सकारात्मक थी, वह जांच अवधि में नकारात्मक बन गई । पाटन के कारण कई इकाइयों को बंद करने की स्थिति उत्पन्न हो गई ।

घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

80. जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, इस बात की जांच की गई है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के कारण कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमत में अन्यथा गिरावट आई है अथवा होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती । घरेलू बाजार पर आयातों के प्रभाव का आकलन करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी ने क्षति अवधि में आयात कीमतों का विश्लेषण किया और यह पाया कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से प्रति मी.ट. आयात का पहुंच मूल्य निवल बिक्री प्राप्ति तथा क्षति रहित कीमत से कम है । घरेलू उद्योग में प्रतिस्पर्धा तथा प्रतिस्पर्धी स्थानापन्नों की कीमत के कारण लागत संरचना में परिवर्तन यदि कोई हो की जांच की गई है ताकि यह विश्लेषण किया जा सके कि पाटित आयातों से इतर कारकों के कारण घरेलू बाजार में कीमतों पर प्रभाव पड़ा है ।

81. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने करों और शुल्कों, रिबेट, छूट तथा भाड़ा एवं दुलाई को छोड़कर बिक्री कीमत पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति का निर्धारण किया है । आयातों की पहुंच कीमत का निर्धारण 1% हैंडलिंग प्रभार तथा लागू मूलसीमाशुल्क और लागू उपकर के साथ भारित औसत सी आई एफ आयात कीमत पर विचार करते हुए किया गया है ।

82. कम कीमत पर बिक्री क्षति के निर्धारण का एक प्रमुख संकेतक है; अतः प्राधिकारी ने क्षति रहित कीमत निकाली है और उसकी तुलना पहुंच मूल्य के साथ की है ताकि कम कीमत पर बिक्री की मात्रा निकाली जा सके । घरेलू उत्पादक के लिए क्षति रहित कीमत की गणना जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन लागत पर समुचित विचार करने के बाद की गई है । यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि में आयातों का प्रति मी.ट. पहुंच मूल्य संबद्ध देश के बारे में जांच अवधि के

दौरान घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित क्षति रहित कीमत से कम रहा है । कम कीमत पर बिक्री मार्जिन अत्यधिक है ।

(x) पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

83. याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया है कि वर्तमान कार्य स्थिति जिसमें उत्पाद बेहतर निष्पादन नहीं कर रहा है और मौजूदा पाटन के कारण कई इकाइयां बंद हो गई हैं, पर्याप्त नए निवेश की कल्पना नहीं की जा सकती ।

84. यह नोट किया जाता है कि उत्पाद के सतत पाटन और वित्तीय निष्पादन में गिरावट के कारण पूंजी निवेश जुटाने की घरेलू उद्योग की क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ना अवश्यंभावी है ।

(xi) पाटन का स्तर और पाटन मार्जिन

85. प्रतिवादी निर्यातकों और असहयोगी निर्यातकों के संबंध में ऊपर निर्धारित पाटन मार्जिन अत्यधिक तथा न्यूनतम सीमा से अधिक माना गया है ।

च. कारणात्मक संबंध

86. प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या पाटनरोधी नियम में सूचीबद्ध अन्य कारकों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है । निम्नानुसार पाया गया था :

(i) तीसरे देशों से आयात.

87. अन्य देशों से संबद्ध वस्तु के आयात नगण्य हैं ।

(ii) मांग में कमी

88. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग में पर्याप्त सुधार प्रदर्शित हुआ है । मांग में संभावित कमी से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है ।

(iii) खपत की पद्धति में परिवर्तन

89. विचाराधीन उत्पाद के बारे में खपत की पद्धति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है और न ही इस संबंध में कोई परिमाणात्मक आरोप लगाया गया है । इस जांच से अब तक वैकल्पिक प्रतिस्पर्धी उत्पादों की मौजूदगी तथा ऐसे वैकल्पिक उत्पादों के कारण संभावित क्षति का पता नहीं चला है ।

(iv) विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा

90. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु का एक ही बाजार है जहां चीन जन.गण. से हुए पाटित आयात घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्त संबद्ध वस्तु के साथ सीधे प्रतिस्पर्धा करते हैं। यह नोट किया जाता है कि आयातित संबद्ध वस्तु तथा घरेलू रूप से उत्पादित वस्तु समान वस्तुएं हैं और इनका उपयोग समान अनुप्रयोगों/अंतिम उपयोगों में किया जाता है। विदेशी उत्पादकों तथा घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहारों और उनके बीच प्रतिस्पर्धा का ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है जिसमें घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो।

(v) प्रौद्योगिकी विकास

91. प्रौद्योगिकी विकास का कोई आरोप नहीं है और न ही अब तक की जांच से घरेलू उद्योग को ऐसी संभावित क्षति का पता नहीं चला है जो प्रौद्योगिकी विकास के कारण हुई हो।

(vi) निर्यात निष्पादन

92. याचिकाकर्ता कोई निर्यात बिक्री नहीं करता है तथापि, प्राधिकारी ने केवल घरेलू प्रचालनों और घरेलू लाभप्रदता पर विचार किया है।

(vii) घरेलू उद्योग की उत्पादकता

93. घरेलू उद्योग की उत्पादकता में कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है। लाभप्रदता में संभावित गिरावट घरेलू उद्योग की पुष्टिकृत क्षति का कारण नहीं हो सकती है।

पाटित आयातों का प्रभाव

94. प्राधिकारी नोट करते हैं कि निम्नलिखित मापदंडों से यह पता चल सकता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है।

(क) क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देश से पाटित आयातों में पर्याप्त वृद्धि हुई है। परिणामतः घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई। अतः यह माना जाता है कि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट पाटित आयातों की मात्रा पर उसके बाजार हिस्से में वृद्धि के कारण आई है।

(ख) संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत में हास हो रहा है।

(ग) यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग बाजार में पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण कीमत घटाने के लिए बाध्य हुआ है। इससे लाभ तथा निवेश पर आय में गिरावट आई है। अतः लाभ और निवेश पर आय में गिरावट संबद्ध देश से पाटित आयातों की मौजूदगी के कारण आई है।

ज. निष्कर्ष:

95. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत निर्धारित की है। घरेलू उद्योग की इस क्षति रहित कीमत की तुलना क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु संबद्ध वस्तु के पहुंच मूल्य के साथ की गई है। क्षति मार्जिन का निर्धारण उचित शीर्ष में उल्लिखित पाटन मार्जिन के निर्धारण के अनुरूप किया गया है। क्षति मार्जिन की गणना निम्नानुसार की गई है :

क्षति मार्जिन को दर्शाने वाली तालिका

विवरण	निर्यातक	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन %
मै. हेबेई योंगटायी क्रिएट कैमिकल कं. लि. (योंगटायी)	मै. हेबेई योंगटायी क्रिएट कैमिकल कं. लि. (योंगटायी)	****	15-20
मै. सुझोऊ लूओसेन ऑक्सीलरीज कं. लि. (उत्पादक)	वूजियान सिटी यीलिन फॉरेन ट्रेड कंपनी लि.	****	5-10
अन्य	अन्य	****	20-26

यथा निर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन का स्तर काफी अधिक माना जाता है।

छ. क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में निष्कर्ष

96. चीन जन.गण. से हुए पाटित आयातों की मात्रा में समग्र स्तर पर और भारत में संबद्ध वस्तु की मांग की तुलना में भारी वृद्धि हुई है। यह नोट किया जाता है कि पाटित आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है। संबद्ध देश से पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है और इसे काफी अधिक माना गया है। घरेलू उद्योग का पूर्ण क्षमता उपयोग नहीं हुआ है और घरेलू उद्योग की मालसूची में वृद्धि हुई है। अतः संबद्ध देश से हुए पाटित आयातों का प्रतिकूल मात्रात्मक प्रभाव प्रदर्शित होता है।

97. यह भी नोट किया जाता है कि पाटित आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती हो रही थी। यह भी निर्धारित किया जाता है कि पाटित आयातों का कीमत ह्रास के रूप में अत्यधिक प्रतिकूल कीमत प्रभाव पड़ा है जिससे लाभ तथा निवेश पर आय में भारी गिरावट आई है। अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और ऐसी क्षति संबद्ध देश से पाटित आयातों के कीमत और मात्रात्मक प्रभाव के कारण अधिक हुई है।

98. अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण हुई है।

99. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और उठाए गए मुद्दों तथा रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों की जांच करने के बाद प्राधिकारी अनंतिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

- (क) संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद का भारत को निर्यात उसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है ।
- (ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति संबद्ध देश से हुए संबद्ध आयातों के कारण हुई है ।
- (ग) यह वास्तविक क्षति संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण हुई है ।

झ भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

100. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है । पाटनरोधी उपाय लागू करने से संबद्ध देशों से आयातों पर किसी प्रकार का प्रतिबंध नहीं लगेगा; अतः उपभोक्ताओं के लिए उन उत्पादों की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी ।

101. यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पाद के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामतः इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों द्वारा भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी खासकर तब जबकि पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए आवश्यक राशि तक सीमित रखा जाएगा। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहार द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का ह्रास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी ।

ज सिफारिशें

102. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत कर उसकी सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को दी गई थी । निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं के बारे में सूचना प्रदान करने का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था । पाटनरोधी नियमों के अनुसार पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में जांच शुरू और संपन्न करने के बाद तथा सकारात्मक पाटन मार्जिन एवं ऐसे पाटित आयातों द्वारा घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की पुष्टि करने के बाद प्राधिकारी का यह मत है कि पाटन एवं क्षति को समाप्त करने के लिए पाटनरोधी शुल्क लगाना अपेक्षित है ।

103. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन जो भी कम हो, के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त की जा सके। तदनुसार चीन जन.गण. के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर निम्नलिखित तालिका के कालम 7 में उल्लिखित राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

कॉलम सं.	1	2	3	4	5	6	7	8	9
क्र. सं.	शीर्ष/ उपशीर्ष	वस्तु विवरण	उद्गम देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि	इकाई	मुद्रा
1	29214226	पैरा नाइट्रोएनिलिन	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	हेबेई यांगताई क्रिएट कैमिकल कं. लि.	हेबेई यांगताई क्रिएट कैमिकल कं. लि.	0.19	कि.ग्रा.	अम. डॉ.
2	29214226	पैरा नाइट्रोएनिलिन	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	क्र. सं. 1 में उल्लिखित उपर्युक्त उत्पादक तथा निर्यातक से इतर कोई संयोजन		0.26		कि.ग्रा.
3	29214226	पैरा नाइट्रोएनिलिन	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	मै. सुझोउ लूसन ऑक्सीलियरीज कं. लि. (उत्पादक)	बुजियान सिटी थिलिन फॉरिन ट्रेडिंग कं. लि.	0.09	कि.ग्रा.	अम. डॉ.
4	29214226	पैरा नाइट्रोएनिलिन	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	क्र. सं. 3 में उल्लिखित उपर्युक्त उत्पादक तथा निर्यातक से इतर कोई संयोजन		0.26		कि.ग्रा.
5	29214226	पैरा नाइट्रोएनिलिन	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. से इतर कोई देश	कोई	कोई	0.26	कि.ग्रा.	अम. डॉ.
6	29214226	पैरा नाइट्रोएनिलिन	चीन जन. गण. से इतर कोई देश	चीन जन. गण.	कोई	कोई	0.26	कि.ग्रा.	अम. डॉ.

104. इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क द्वारा यथा आकलित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3 क, 8, 9 तथा 9 क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे।

105. केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकार किए जाने के बाद इस जांच परिणाम के खिलाफ कोई अपील वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ नियम, 1995 के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

विजयलक्ष्मी जोशी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 5th August, 2011

FINAL FINDINGS

Subject: Anti-dumping Investigation concerning import of Para Nitro Aniline (PNA) originating in or exported from China PR.—Final Findings.

F.No.14/13/2010-DGAD.— Having regard to Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules thereof, as amended from time to time (hereinafter referred to as the AD rules).

A. PROCEDURE

2. The procedure described below has been followed.

i). The Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority), under the above Rules, received a written application from M/s. Abhilasha Texchem Pvt. Ltd., Mumbai and M/s. Amarjyot Chemicals Pvt Ltd., Mumbai on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Para nitroaniline (PNA) originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as subject country).

ii). Preliminary scrutiny of the application revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the Applicant. The application was, therefore, considered as properly documented.

iii). The Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the Applicant to justify initiation of the investigation, decided to initiate the investigation against imports of the subject goods from the subject country.

iv). The Authority notified the embassy of the subject country in India about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule 5(5) of the AD Rules.

v) The Authority issued a public notice dated 8th June 2010 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods.

vi) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known exporters (whose details were made available by the Applicant) and industry associations and gave them opportunity to make their views known in writing in accordance with the Rule 6(2) of the AD Rules.

vii) The Authority also forwarded a copy of the public notice to all the known importers of the subject goods in India and advised them to make their views in writing within forty days from the date of the letter.

viii) The Authority provided a copy of the non-confidential version of application to the known exporters and the embassy of the subject country in India in accordance with Rule 6(3) of the AD Rules. A copy of the Application was also provided to other interested parties, wherever requested.

ix) The Authority sent questionnaires to elicit relevant information to the following known exporters in subject country in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

- a) Green Fine Chemical (Shanghai) Co., Ltd., 17/F Time Square, No. 500 Zhang Yang Road, Pudong, Shanghai, P.R. China
- b) Junwee Chemical Co., Ltd., 12-A, Building 1, 182 Zhaohui Road, Hangzhou 310014, P.R. China
- c) Long Island Pharmaceutical & Chemical Co. Ltd., Purchase & Sales Department 15th Wanshou Road, Nanjing Pukou, 211816, P.R. China

x). In response to the initiation notification, the following exporters / producers from China have responded:

- a) Suzhou Luosen Auxiliaries Co. Ltd. (Luosen)
- b) Wujian City Yilin Foreign Trading Co. Ltd. (Yilin)
- c) Hangzhou Dengsheng Chemical Co. Ltd. (Dengsheng)
- d) Hebei Yongtai Create Chemicals Co Ltd (Yongtai)

xi. Questionnaires were sent to the following known importers / users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:

- a) Bodal Chemicals Limited, Plot No. 123-124, Phase-I, G.I.D.C., Vatva, Ahmedabad-382445, Gujarat
- b) Juimex/Chemex, A-502, Maruti tower, Satellite, Ahmedabad-380015

xii. In response to the initiation notification, the following producers, importers and users have responded

1. Ambuja Intermediates Pvt Ltd.
2. Chemstar
3. Panoli Intermediates (Idnia) Pvt Ltd.
4. Saurabh organics Pvt Ltd.
5. GopinathChem Tech Ltd.
6. Cosmo Chemicals Pvt Ltd.
7. Chem-Org
8. Premier Orgochem Industries Pvt Ltd.

xiii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.

xiv). Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis.

xv). Information was sought from the other applicants and other domestic producers also to submit the information in the form and manner of domestic industry proforma. However, no information was received from these producers.

xvi) The Authority held a oral hearing on 18th January, 2011 to provide an opportunity to the interested parties to present relevant information orally in accordance to Rule 6(6), which was attended by interested parties. The parties attending the oral hearing were advised to file written submissions of the information presented orally. The interested parties were allowed to present rebuttal arguments on the views/information presented by other interested parties. The Designated Authority has considered submissions received from the interested parties appropriately.

xvii) Subsequently, the Authority held another public hearing on 30th March 2011 to provide another opportunity to the interested parties to present relevant information orally in accordance to Rule 6(6). It is noted that in this second hearing also, none of the interested parties except the domestic industry participated in the public hearing. Arguments raised and information/evidence provided by the interested parties during the course of the investigation, to that extent the same are considered relevant to the present investigation, have been appropriately considered by the Authority.

xviii).. The Non-injurious Price based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.

xix) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments have been received on the same from the following interested parties.

- Jay Organics, Ahmadabad
- World Trade Consultants and Advocates on behalf of Dingsheng, a Chinese exporter
- Chem- Org., Thane
- Continental Chemicals, Ahmadabad
- Ambuja Intermediates Pvt. Ltd.
- Chemstar, Dombivli, Maharashtra
- Gurudev Dyestuff (India) Pvt. Ltd.
- Aarti Organic.
- The Domestic Industry

These comments have been examined by the Authority under the appropriate headings.

xx) Investigation was carried out for the period starting from 1st January 2009 to 31st December 2009 (POI). The examination of trends, in the context of injury analysis covered the period from 2006-07, 2007-08, 2008-09 and POI.

xxi) The Central Government granted extension of time up to 7th August 2011 for completing the subject investigation.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND DOMESTIC LIKE ARTICLE

B.1 Product under consideration

3. The product under consideration in the present investigation is Paranitroaniline (hereinafter referred as "subject goods"). It is an organic chemical compound. Paranitroaniline is also known as 4-nitroaniline, 1-amino-4-nitrobenzene, or p-nitrophenylamine. 4-Nitroaniline is a starting material for the synthesis of Para Red, the first Azo dye. This chemical is commonly used as an intermediate in the synthesis of dyes, antioxidants, pharmaceuticals and gasoline, in gum inhibitors, poultry medicines, and as a corrosion inhibitor.

4. The scope of the product is classified under Chapter 29 (Organic Chemical) of the Customs Tariff Act under Customs Sub-heading No. 2921.42.26. However, the customs classification is indicative only and is not being considered in any way binding on the scope of the present investigation.

Views expressed by the domestic industry

5. a) The product under consideration in the present application is "Paranitroaniline".
- b) The product is sold in different concentrations based on the requirements of the consumers. However, the net weight of the product is taken into consideration for calculating the cost and price on 100% concentration basis

Views expressed by interested parties

6. The following exporters have claimed in their responses that the product concerned is a kind of chemical product with the content of around 90/93% of PNA and 10/7% of water. For each transaction of export sales to India, they had attached a copy of certificate of analysis representing the actual weight (wet weight with water), the content of PNA %, and 100% weight (dry weight without water), and in the commercial documents such as contract and invoice, the quantity and unit value where the quantity and unit value related to the 100% weight.

- 1) Hangzhou Dingsheng Chemical Co., Ltd.
- 2) Wujiang City Yilin Foreign Trading Co., Ltd
- 3) HebeiYongtai Create Chemical Co., Ltd

Examination by the Authority

7. The Authority notes that the scope of product under consideration as defined in the initiation notification is Paranitroaniline (hereinafter referred as "subject goods"). It is an organic chemical compound. Paranitroaniline is also known as 4-nitroaniline, 1-amino-4-nitrobenzene, or p-nitrophenylamine. This chemical is commonly used as an intermediate in the synthesis of dyes, antioxidants, pharmaceuticals and gasoline, in gum inhibitors, poultry medicines, and as a corrosion inhibitor.

8. The scope of the product is classified under Chapter 29 (Organic Chemical) of the Customs Tariff Act under Customs Sub-heading No. 2921.42.26. However, the customs classification is indicative only and is not being considered in any way binding on the scope of the present investigation.

9. The Authority has therefore considered that the product under consideration remains the same irrespective of the concentration level.. It is noted that the normal value, export price, dumping margin, domestic industries information including Non injurious price determination have been made at 100% concentration level.

Like Article

9. With regard to like article, Rule 2(d) of the AD rules provides as under:

"like article " means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation."

10. The applicant claimed that there is no known difference in applicants' product and subject goods exported from the subject country and are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods and there is no significant difference in the subject goods produced by the applicant and those exported from the subject country and both are technically and commercially substitutable.

Examination by the Authority

11. The Authority has examined the matter and notes that there is no known difference in subject goods produced by the Indian industry and exported from the subject country. The subject goods produced by the Indian industry and that imported from subject country are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. None of the opposing interested parties has raised any objection in this regard. Subject goods produced by the petitioner companies are being treated as domestic like articles to the subject goods imported from subject country in accordance with the anti-dumping Rules.

C. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING

12. Rule 2 (b) of the AD rules defines domestic industry as under:

"domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers only"

13. The application has been filed by M/s. Abhilasha Tex Chem Pvt. Ltd. and Amarjyot Chemical Pvt. Ltd. as domestic industry and supported by M/s. Panoli Intermediates, M/s. Saurabh Organics and M/s. Premier Orgochem Industries.

14. The Authority after examination holds that (a) production by the petitioner companies constitutes a major proportion in Indian production; (b) domestic producers expressly supporting the application accounts for more than 50 percent of total production of the like product produced

by the domestic industry. The Authority thus determines that the application satisfies the requirements of Rule 2(b) and Rule 5(3) of the AD Rules.

D. DUMPING MARGIN

Submissions of the domestic industry

15. It has been contended by the domestic industry that China PR should be treated as non market economy country, *inter alia*, stating that:

a) Market economy status cannot be given in a situation where one of the major shareholders is a State owned/controlled entity – It has been contended by the Domestic industry that the European Commission has consistently held that possibilities of State interference cannot be ruled out in cases, where there is significant share of a State owned/controlled entity. It has been contended that it is not only the question of past interferences alone, but also possibilities of potential State interference in the future after the imposition of anti dumping duties that is relevant for granting market economy treatment.

b) Market economy status cannot be given unless the responding Chinese exporters establish that the prices of major inputs substantially reflect market values: It has been contended by the Domestic industry that “substantially reflect market values” has been widely interpreted to mean that the price of these inputs must be comparable to the prices prevailing in the international market. The Domestic Industry contends that the fact that such prices are comparable to the price prevailing in China PR is grossly insufficient.

c) Major inputs include utilities: It has been contended by the Domestic industry that production of the products concerned require power and fuel as a major item of utility. Admittedly, while the power supplier is a State owned entity, insufficient information is available with regard to fuel supplier. It has not been established by the exporters that the price of utilities reflect fair market values.

d) Market economy status cannot be given unless the responding exporters establish that their books are audited in line with international accounting standards: It has been contended by the Domestic industry that Chinese exporters have repeatedly disputed the treatment of European Commission to reject market economy treatment in such situations where Chinese exporters are unable to establish that their books are consistent with Chinese GAAP. Chinese companies in such cases have been contending that the requirement of insisting on compliance with International Accounting Standards is beyond law.

e) Market economy status cannot be granted even if one of the parameters is not satisfied: It has been contended by the Domestic industry that the European Commission has repeatedly insisted that market economy status cannot be granted unless the responding

Chinese exporters pass the test in respect of each and every parameter laid down under the Rules.

f) Onus/obligations: It has been contended by the Domestic industry that it is not for the Authority to establish that the responding companies are indeed operating under market economy environment and are entitled for market economy treatment. On the contrary, it is for the responding Chinese exporters to establish that they are operating under market economy conditions.

g) Transformation: It has been contended by the Domestic industry that in a situation where the current shareholders have not set up their production facilities themselves but have acquired the same from some other party, market economy status cannot be granted unless process of transformation has been completely established through documentary evidence.

16. It has been contended by the Domestic industry that failure to satisfy a number of conditions mentioned above by the responding Chinese exporters, is sufficient to hold that market economy status cannot be granted to responding Chinese companies and thus the Normal value should be determined in accordance with Para-7 of the Rules.

Submissions by other interested parties (Exporters)

17. In response to the initiation notification, the following producers and exporters have submitted their response to the initiation notification and have requested the Authority to base their dumping margin determination on the basis of their questionnaire response.

- M/s HebeiYongtai Create Chemical Co Ltd (Yongtai) (Producer and exporter)
- M/s Suzhou Luosen Auxiliaries Co. Ltd.(Producer)
- Wujian City Yilin Foreign Trading Co. Ltd. (Exporter)
- Hangzhou Dingsheng Chemical Co Ltd (Exporter)

Both the producers namely M/s Yongtai and M/s Lousen submitted the response to MET questionnaire and requested the Authority to grant them market economy treatment.

Examination by Authority

D.1 NORMAL VALUE

18. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as non-market economy country in the anti-dumping investigations by other WTO Members. Therefore, in terms of Para 8 (2) of the annexure 1 of AD rules, China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the above presumption by

the exporting country or individual exporters in terms of the above Rules for the purposes of preliminary determination.

19. As per Paragraph 8 of the Annexure I to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and establish to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- a) The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labor, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b) The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
- c) Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- d) The exchange rate conversions are carried out at the market rate.

20. The Authority notes that responding producers/exporters of the subject goods from China PR have submitted their questionnaire responses and have submitted response to the market economy questionnaire consequent upon the initiation notice issued by the Authority. The questionnaire responses and the market economy responses of the responding producers and exporters have been examined for determination of normal value of the responding producers/exporter of the subject goods from the subject country as follows. In this regard, a verification visit was undertaken to verify the responses of the responding producers and a verification report was issued to all producers and exporters whose data were verified and comments received from these interested parties have been taken into account.

Hebei Yongtai Create Chemical Co Ltd (Yongtai)

Examination of MET response

21. In its response, the company has claimed Market economy status. In particular, the company had submitted the response where it had sought to rebut the various criteria as specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 of the Annexure I of the Anti dumping rules. Their claim was examined and the information submitted by the company was

verified by the Authority. A detailed verification report was issued to the company wherein the detailed examination of their claim about market economy status and export price was made.

22. During the verification, it was noted that M/s HebeiYongtai Create Chemical Co., Ltd. (Yongtai), producer and exporter of the subject goods, was established on **** as a Chinese-foreign joint venture and the shareholders include two entities viz **** and ****. The registered capital of Yongtai Create was RMB ****. While RMB **** was invested by Hebei Yongtai Create Chemical Co., Ltd. in the form of ****, accounting for **** of the total registered capital, and RMB **** was invested by the US shareholder in cash, accounting for ****% of the registered capital. It was submitted that the shareholders of HebeiYongtai Chemical Co., Ltd. (Group company) include three individuals **** (whose investment accounts for ****% of the total registered capital), **** (whose investment accounts for ****% of the total registered capital) and **** (whose investment accounts for ****% of the total registered capital); and the other shareholder is ****. (whose investment accounts for ****% of the total registered capital).

23. In particular, it was noted that the subject company was founded as a Chinese-foreign joint venture and the shareholders include two entities viz **** and ****. However, verification scrutiny of the constitution of the ****, revealed that the Co. had been registered in the State of California in **** with a registered capital of ****. All the registered capital had been issued to ****, one of the majority shareholders of the Group Co. viz. ****. No details of the sources of the funds invested by **** in the group Co. as well as in **** Ltd., were made available to the team.

24. During verification, the company placed some documents in support of its claim for market economy status. In particular, the company placed Business Licence of the company, some purchase invoices for some of the assets of the company, details of some of the assets outstanding during POI along with their date of commissioning, copy of business license and other approvals obtained from Chinese Govt. agencies before start of business and of the shareholding company, organizational Chart of the company, information on the change in the structure of the company since inception along with details of share capital and details of ownership, information of parent companies, articles of Association, Capital Verification Report of the Parent Company HebeiYongtai Chemical Co. Ltd. of year 2005 and capital Verification Report of Yongtai Create for the year 2006 and 2010, VAT Return, labour payment contract, list of suppliers of raw materials and utilities along with sample Invoices, balance Sheets and Income statements of Parent Company HebeiYongtai Chemical Co. Ltd. of year 2006, 2007, 2008 and 2009, assets evaluation Report of **** of year 2002 and 2004, land Use right evaluation report of August 2005, Joint Venture Contract of HebeiYongtai Chemical Co. Ltd, Joint Venture Contract of HebeiYongtai Create Chemical Co. Ltd etc.

25. However, the company was not able to submit the computation of depreciation for the years 2006, 2007, 2008 and 2009, copies of purchase orders/invoices for plant and machinery, production equipments purchased in 2006 and 2007, date of commissioning of the plant and commercial production, copies of orders placed on

construction contractor for construction of factory/office buildings and details of other receivables, details of other receivables and other payables in respect of Yongtai Chemical Co. (group company) for 2006, 2007, 2008 & 2009, supporting documents for the capacity of the plant indicated in the response to the questionnaire, cost of the project and how the project was funded.

26. The accounting records were examined and found to have been audited by independent CPAs. In terms of the audit report, the financial position as well as the operating results of the Co., were in accordance with the Accounting Standards for Enterprises and Accounting Systems for Enterprises. However, it is noted that the financial statements as well as the audit reports have not disclosed the fact that the Co. was having related party transactions with its group company. Further, the audit reports are silent on whether all the related party transactions were at arm's length. Board Resolution for not declaring dividends for the year 2009 submitted by the Co. was taken on record. It was also noted that during the POI, the Co. had received tax refund of **** RMB on purchase of equipment and was shown as subsidy income. The details of the tax refund/subsidy scheme were not made available to the team.

Board of Directors

27. With regard to board of directors, it was submitted that M/s Yongtai create was managed by a board of directors consisting of **** persons out of which **** persons were nominated by major shareholders i.e. **** and one person was nominated by shareholder from ****. All the directors had only **** vote. Thus, it was noted that none of the directors were represented by state or state owned companies.

Production and sales of the product concerned

28. It was explained to the verification team that the products produced and sold by Yongtai Create include ****. With regard to production process, it was noted that the Production Process includes two stages: [high-pressure ammonolysis and segregation & crystallization]. It was submitted that production process includes high-pressure ammonolysis (**** hours) after mixing of **** and **** which is followed by **** (**** hours) and this is then followed by Packing of finished goods. It was further mentioned that the company began to produce PNA products since the end of ****, and exported the products to India since the year ****. During the investigation period Yongtai Create exported the product concerned to India in two shipments and most of the product concerned is sold in domestic market. Yongtai Create has not exported the subject material to any other countries. It has been claimed by the Exporter that there are **** employees including **** workers in the company. Only **** workers are claimed to be working in PNA workshop. A labor contract was submitted wherein it was explained that there is no restrictions in the movement of labor and their recruitment by the company.

29. With regard to sourcing of the inputs, including raw materials, and the fact that if they are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant state interference in this regard, and whether costs of major inputs

substantially reflect market values, it was noted that M/s Yongtai create was procuring their raw materials from companies which included state owned company. The primary raw materials used in the manufacture of PUC are **** and ****. These materials were procured from several suppliers including ****, which is a state company. However, during the verification, neither the business licenses of the other suppliers nor any other documents to indicate the legal status of those companies were submitted. Further, when the team requested Yongtai create to substantiate that the procurement of major raw materials reflect market prices or reflect market forces of demand and supply, the company was not able to produce any comparative analysis or substantiate their claim that these prices are reflecting the market prices free of state control.

30. Thus, in view of the above, it could not be concluded that inputs, including raw materials, cost of technology and labor, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant state interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values. In view of the above, market economy treatment has not been granted to M/s Yongtai Create Chemical Co Ltd and the Normal Value has been constructed based on facts available under Rule 6(8).

Normal value for M/s Suzhou Luosen Auxiliaries Co. Ltd (Luosen) (producer)

31. M/s Suzhou Luosen Auxiliaries Co Ltd. China PR is one of the producers of the subject material in China PR which has participated in the investigation and filed both MET as well as Exporters Questionnaire Responses. From the response filed by the producer and exporter, it is noted that M/s Luosen is a producer of subject goods and sells the subject goods in the domestic market and it is not a direct exporter of subject goods to India. It has been noted from the responses of two exporters namely M/s Hangzhou Dinsheng Chemical Co Ltd and M/s Wujiang City Yilin Foreign Trade Co. Ltd. that they have exported the subject goods to India produced by M/s Luosen, the producer of subject goods. Both the above exporters have filed the MET Questionnaire response. The information submitted by M/s Suzhou Luosen Auxiliaries Co. Ltd and two exporters mentioned above have been verified and a verification report was issued to the company for their comments. It is noted that no comments to the verification report had been received from Luosen within the time limit.

Examination of MET Treatment of M/s Luosen

32. It has been claimed by the producer that it was first established as a collectively owned company in 1990 and then was reconstructed into a fully limited liability company in 2007. It has been submitted that shareholders of Luosen are **** persons and there is no parent company and one of its related company M/s Wujiang City Yilin Foreign Trade Co. Ltd has exported the subject goods to India during the POI.

33. The Authority has gone through the MET response of the company. After examining the response, it is noted that the company was initially constituted as a collectively owned company and it was later transformed into private owned company.

Examination of response to the MET questionnaire

34. It may be recalled that Luosen had submitted response to the MET questionnaire and had agreed for verification of the documents submitted by them for grant of MET to them. During the process of examination, detailed structure of the company was made available to the verification team. It was submitted during the verification that Suzhou Luosen Auxiliaries Co., Ltd. is a Chinese producer and domestic seller of the product concerned, but it is not an exporter. Luosen was firstly established on **** as a collective-owned enterprise, and then was reconstructed to be a private-owned company on **** under the China Company Law. The shareholders of Luosen are two private person, **** and Ms. ****. Both these two shareholders are not related to any other company engaged in production and sale of the subject goods. It was submitted that Luosen has **** factory involved in production of the product concerned which is located at ****, Jiangsu Province. During the POI, there was one related company with the name of **** involved in the export sale of product concerned to India. It was added that Yilin's shareholders are **** private Chinese person, and the relationship between Luosen and Yilin is that **** shareholder named as **** of Yilin is in the position of the General Manager of Luosen. Except Mr. ****, Luosen and Yilin do not share any other board members and senior executives.

35. It is noted that in response to the MET questionnaire, M/s Luosen had sought market economy treatment and had requested the authority to take into account domestic selling prices for the purpose of determination of normal value. During the verification process the investigation team asked the producer to substantiate along with the document as to how they meet the various criteria relating to para 8 of the Annexure – 1 of the anti-dumping rules which relate to grant of market economy treatment. However, the producer and exporter declined to submit required documents to the investigation team. In addition, the subject exporter and producer informed that the required documents relating to market economy claims are almost not available and accordingly the same cannot be provided to the verification team. In view of the above, no further examination for grant of MET was considered necessary.

36. In view of the above, market economy treatment has not been granted to the above firm.

Determination of Normal Value for producers and exporters in China PR who have not claimed MET and also for those whose MET Claim has not been accepted

37. In this connection Para 7 of Annexure I of the Rule provides that

“In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level

of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments”

38. As stated above, Authority does not consider it appropriate to give market economy treatment to the above two producers, who have claimed market economy treatment as per the reasons mentioned above. Therefore, normal value is being determined in accordance to the Rules. In the initiation notification, comments were invited from all interested parties to suggest an appropriate surrogate country for determination of normal value for China PR. However, none of the parties have suggested any appropriate surrogate country. It has been claimed by the applicants that normal value cannot be determined on the basis of prices in third countries because the imports are practically from China. Para nitro Chloro benzene (PNCB) is a major raw material required for production of the product under consideration. The applicants have claimed that the fact that the prices of major inputs do not substantially reflect market values in China is clearly established by the fact that the import price of PNCB from China have not increased in the same manner as the same have increased in the Indian market. In view of the above, the Authority has proceeded to determine the normal value in terms of para 7 of the Annexure 1 to the AD rules and determined it on the basis of “any other reasonable basis”. Accordingly, the Authority has determined the “normal value” by taking into account international prices of the major raw materials and all other cost as per cost of production in India duly adjusted to include selling, general & administrative expenses and reasonable profit margin.

Export Price for cooperating exporters

General methodology followed

39. For all the responding exporters, the export price has been determined after taking into account their prices to India given in their appendix wise information and all adjustments claimed by them. Further, the CIF export price has been adjusted for ocean freight, marine insurance, inland freight, port expenses and bank commission etc. For determining net export price, information provided by these exporters and subsequently verified by the Authority has been taken into account.

Determination of Export Price for M/s Hebei Yongtai Create Chemical Co Ltd (Yongtai)

40. Exports sales to India (Appendix-2): It was noted that during period of investigation there were only 2 transactions of exports of subject goods to India. It was noted that the Company had exported **** Kgs of PNA on wet basis and **** Kgs on dry basis to India. Both these transactions have been made to one importer. It was also

noted that delivery terms in both the transactions were CIF Nhava Sheva basis. In respect of both the transactions adjustments were claimed on account of Ocean Freight, Inland Freight, Port Surcharge, Overseas Insurance, Credit Cost and VAT adjustment and Bank Charges. All the supporting documents pertaining to these adjustments were verified with their claims made in Appendix 2.

41. The company was asked to provide documentary evidence to show that the exchange rate adopted for conversion from US \$ to RMB. In support of their claim the company has provided copies of exchange rate published by Bank of China for the period of transaction and the same was found to be in order. It is stated that a verification report was earlier issued to this company indicating the verification of adjustments claimed by the producer and exporter. No comments have been received in this regard. These adjustments have been allowed to arrive at Net export price.

Determination of export price for subject goods produced by Luosen and exported by Yilin

42. It was noted that during period of investigation there were significant export sales to countries including India. In fact, it was submitted during the verification that they sourced the subject goods from many sources including Luosen and exported the subject goods to India. It was also seen from back to back VAT invoice filed by these exporters that they purchased the subject goods from Luosen.

43. It is noted that M/s Wujiang City Yilin Foreign Trade Co. Ltd (Yilin) (Exporter) has filed MET as well as response to exporters questionnaire. It was noted that though this company is legally separate from Luosen, their General Manager is also the principal shareholder in Luosen. In fact, it was submitted that these are basically a family relationship. It was also noted during verification that Yilin has made purchases of subject goods from Luosen and also other producers during the POI which they have exported to India and other countries. It is also noted that in their response, Yilin has given an account of exports of subject goods to India which were purchased from Luosen during the POI. It was further noted that they exported **** MT of subject goods sourced from Luosen to India during this period at total gross value of US ****. They have also given monthly account of their sales to India in Appendix 2A.

44. It is noted that export transactions were made to several importers in India. It is further noted that adjustments were claimed on account of Ocean Freight, Inland Freight, Port Surcharge, Overseas Insurance, Credit Cost and VAT adjustment and Bank Charges. All the supporting documents pertaining to these adjustments were verified with their claims made in Appendix 2. The set of commercial documents includes commercial invoice, commercial contract, packing list, bill of lading, certificate of analysis, customs declaration, recording invoices, letters of credit, sea freight invoices, handling invoices, overseas insurance invoices, collection certificate, VAT refund sheets and purchase VAT invoices.

45. The company was asked to provide documentary evidence to show that the exchange rate adopted for conversion from US \$ to RMB. In support of their claim the

company has provided copies of exchange rate published by Bank of China for the period of transaction and the same was found in order. . It is recalled that a verification report was issued to this company indicating the verification of adjustments claimed by the producer and exporter. No comments have been received in this regard. With regard to VAT Adjustments, adjustments on account of VAT refund in Appendix-2 had been claimed @ 9% while adjustment on account of non-refund of VAT of 8% has been claimed in the revised Appendix-2. These adjustments have been allowed to arrive at Net export price.

Determination of export price for subject goods produced by Luosen and exported by Hangzhou Dingsheng Chemical Co Ltd (Exporter)

46. M/s Hangzhou Dingsheng Chemical Co., Ltd. (hereinafter referred to as Dingsheng) is the exporter/trader of the product concerned, but is not the producer of the product concerned. It is noted that Dingsheng purchased the product concerned in domestic market from several suppliers and then exported to the world market including India During examination of their export prices to India as per Appendix 2 of the exporters questionnaire, it was noted that out of the total exports made to India by them of the subject goods sourced from Lousen, as evidenced in Appendix 2, they had exported *** MT of subject goods to India through a trader M/s Asiatic Hong kong who had not submitted their response. In fact, it was noted that no export price has been made available to the Authority of the subject goods exported by Dingsheng and sold to India through Asiatic Hong Kong. It may be stated that a deficiency letter was earlier issued to the exporter to submit the details of Asiatic Hong Kong and their response in terms of response to exporter's questionnaire. However, no such details were made available to the Authority within time limit. It is stated that a verification report was issued to this company inter alia indicating the fact that they did not provide the details of all exports made by them to India as shown in Appendix 2 of the exporters questionnaire. It is noted that M/s Dingsheng has commented in its reply to the verification report that separate dumping margin should be given to them as they had direct exports to India also. They have also cited earlier findings of the Authority granting separate margin to the exporters in similar situations.

Comments of M/s Dingsheng after the disclosure statement

47. The exporter M/s Dengsheng in his comments to the disclosure statement has submitted that they should be given separate dumping margin as some of their exports were direct to India even though evidence with regard to export prices and adjustments for majority of exports to India was not available to the Authority. They have also cited some of the earlier cases done by the Authority wherein separate dumping margin has been granted to the producer in the alleged similar circumstances.

Examination by the Authority

48. The Authority has examined the comments made by M/s Dingsheng and other interested parties in this regard and notes that facts of those cases are not comparable to the subject case. It is noted that M/s Dengsheng has not provided the details in respect of all the exports to India as mentioned in Appendix 2 which have been sourced from Producer M/s Luosen. It is also noted that except few invoices of Asiatic Hong Kong, no information has been submitted to the Authority despite the deficiency letter issued to Dingsheng asking them to get all relevant documents as required in the response to exporter's questionnaire. Given the above fact, separate dumping margin has not been granted to Dingsheng as exporter and Luosen as producer.

Export Prices for Other Producers/Exporters

49. In case of other non cooperating producers and exporters from China PR, export price is determined considering transaction export price at a lower representative level on the basis of facts available. For determining net export price of the cooperating exporters, adjustments have been made on account of ocean freight, marine insurance, credit cost etc.

Table showing dumping margin and dumping margin %

Producer	Exporter	DM (US\$/Kg)	DM%
M/s HebeiYongtai Create Chemical Co Ltd (Yongtai)	M/s HebeiYongtai Create Chemical Co Ltd (Yongtai)	****	34-38
M/s Suzhou Luosen Auxiliaries Co. Ltd.(Producer)	Wujian City Yilin Foreign Trading Co. Ltd	****	28-32
Others	Others	****	60-65%

E. INJURY

E.1. Submissions by the domestic industry

50. The domestic industry has argued that:

(i) Volume of dumped imports from China PR has increased very significantly in absolute terms over the injury period.

(ii) Imports have increased significantly in relation to total imports, production and consumption in India.

(iii) Weighted average import prices (after including basic customs duties) have been significantly below the net sales realization of the domestic industry, thus resulting in significant price undercutting.

(iv) The dumped CIF export price triggered a substantial reduction in the landed price of imports. This had direct adverse impact on the domestic industry. Reduction in the landed price of imports prevented the Indian Producers from effecting legitimate price increases.

(v) With the increase in imports, the performance of the domestic industry deteriorated in terms of capacity utilization, inventories, market share, profits, return on investments, etc.

(vi) The demand of the product in the country shows a positive trend whereas sales of the domestic industry and Indian producers as a whole at the same time show a negative trend.

(vii) As a result of increase in imports in absolute term and relative to production and consumption, share of the domestic industry has declined.

(viii) The performance of the domestic industry for product under consideration has deteriorated over the injury period.

(ix) ROI (NFA Basis) of the domestic industry has significantly deteriorated over the injury period. This clearly shows the price depression and suppression effect of dumped imports from China PR that has resulted in significant losses to the domestic industry.

(x) The level of inventories is significantly high.

(xi) The dumping margin from subject country is not only more than de minimis but also very substantial. The impact of dumping on the domestic industry is significant and is gradually intensifying.

(xii) Significant dumping of subject goods in the Indian market resulted in significant financial losses to the industry. Resultantly, some of the producers have been forced to suspend the production. Producers who have suspended the production in the period of investigation are: -

- Priti Chemicals
- Sai Amines Pvt. Ltd.
- New India Biz Chem Pvt. Ltd.
- AmarantDyechem
- K&T Chemicals
- Muktesh Chemicals Pvt. Ltd.
- Vibgyor Chemicals
- Omi Industries

- Volga Organics Pvt. Ltd.
- YashRasayan

(xiii) In reply to remarks of the importers about limited capacities of two Indian producers and creation of monopoly situation in the event of levy of anti dumping duty, it has been submitted that the estimated Indian production is 1200 MT per month (Petitioners 600-700 and Panoli 500-600) and several units manufacturing subject goods have closed down. With regard to pricing of subject goods at their will, it has been submitted that by the importers own admission, the petitioners are forced to sell at prices comparable to imports and a party selling the product at their will shall not be forced to follow the import prices. This clearly establishes that petitioners constitute domestic industry and that dumping of the product has forced a large number of companies to close their production.

E.2. Response from other interested parties (importers and users)

51. The following importers and users have submitted comments on the investigations.

- Ambuja Intermediates Pvt Ltd.
- Chemstar
- GopinathChem Tech Ltd.
- Cosmo Chemicals Pvt Ltd.
- Chem-Org
- M/s Guruev Dyestuff (India) Pvt Ltd.

It has been submitted by importers and users that there are only two major manufacturers of PNA in India and price of PNA are decided at their will. It has also been submitted that there is not much difference between Chinese import and Indian market prices of PNA and prices of Indian manufacturers are found to be matching the Chinese prices or even lower than those prices. They have added that any anti dumping duty will give them a free hand in deciding prices of PNA creating a monopoly on the product and the consumers of end product will become non competitive. It has also been added that if PNA imports are restricted with anti dumping duty, then Chinese exporters will start exporting end product prepared from PNA to India. It has also been added that Chinese imports do not add any threat to the domestic manufacturers. It has also been brought before the Authority that starting raw material for manufacturing PNA is PNCB and there are only 2-3 major PNCB manufacturers who are the major PNA manufacturer in India as well. It has also been added that the main petitioner in this case are Abhilasha Texchem Pvt. Ltd. and M/s Amarjyot Chemicals Pvt. Ltd. who are the group companies of Aarti Industries Ltd. M/s Panoli Intermediates Limited is another petitioner and major manufacturers of PNCB and PNA. It has been submitted that before any decision for levying anti dumping duties is taken, the balance sheet of Amarjyot and Abhilasha should be taken into account and it should be verified if they are incurring losses and also the price at which PNCB is sold by Aarti to Abhilasha and Amarjyot compared to their sale price to the local market. It has also been added that both the major manufacturers of

PNA do not have the capacity to cater increasing demand of PNA hence an alternate source of supply should be made open.

Comments of the interested parties after disclosure statement

52. The following interested parties have submitted comments to the disclosure statement

- Jay Organics, Ahmadabad
- World Trade Consultants and Advocates on behalf of Dengsheng, a Chinese exporter
- Chem- Org., Thane
- Continental Chemicals, Ahmadabad
- Ambuja Intermediates Pvt. Ltd.
- Chemstar, Dombivli, Maharashtra
- Gurudev Dyestuff (India) Pvt. Ltd.
- Aarti Organic.
- The Domestic Industry

(i) Some of the users and importers have objected to the procedure and methodology followed by Authority during the investigation process. In particular, they have objected to the little time given to them to offer their comments on the Disclosure Statement. They have also objected that they could not receive a copy of public notice after initiation of investigation despite being the fact that they were importers of the subject goods in India. Some of the importers and users have also commented that they have neither been contacted by the applicant nor by this office and were not given a chance for their submission. With regards to price effect of imports, they have objected to the determination of price under cutting by the Authority during the period of investigation. In their reply, they have given an account of some consignments of imports made by them during that period and have stated that the Chinese prices were much higher than domestic industry prices during that time. With regard to production, capacity of domestic industry and demand they have again highlighted the fact that the domestic industry can cater to only 52% of the demand while remaining 48% quantities have been imported to meet to the demand of Indian consumer which cannot be treated as dumping and therefore anti dumping duty on such imports would be totally injustice on Indian consumers. With regard to domestic industries argument about closer of 10 units due to significant dumping, they have stated that these facts are false and wrong and have further added that at least five of these companies have nothing to do with the imports from China PR. They have also objected to taking the DGCIS data for year 2006-07 and IBIS data for 2007-08 onwards to period of investigation for determination of volume and price effect. They have further stated that this is a wrong way of making assessment of injury which will not stand in the court of law. Some of these importers and users have also asked for more time to submit their views to the Authority. One of the cooperating producer and exporter M/s Yongtai in their letter dated 26th May 2011 submitted that they were willing to furnish price undertaking under rule 15 of Anti

dumping rule in case the Authority arrives at the conclusion that M/s Yongtai is dumping the subject goods into India. They have requested that they be informed accordingly.

(ii) The domestic industry on the other hand has requested the Authority for early issuance of final findings. The domestic industry has further requested the Authority to deny market economy status to the responded companies. The domestic industry has also stated that separate dumping margin to Dengsheng should not be granted for want of response from Asiatic Hong Kong. They have reiterated the arguments about injury and casual link as made by them in their application as well as in the written submission after the public hearing. In particular, they have mentioned the significant increase in the volume of imports, price under cutting, price suppression and significant deterioration during injury period in terms of market share, profit, return on investment, cash flow and inventories. With regard to relationship between Aarti and the petitioners it has been submitted that an amount of Rs. 1500 per metric ton is required to be added to the non-injurious price on account of selling expenses incurred by Aarti Industries. They have also requested the Authority to examine the fact that negative working capital has been considered for determination of non-injurious price for domestic industry. They have requested the Authority to kindly consider the working capital on the basis of some standards norms such as three months working capital. They have also requested the Authority for imposition of adequate anti dumping duty in order to protect the domestic industry. In their submission, they have requested the Authority to impose the anti dumping duty on fixed basis and in terms of Indian rupee.

E.3. Examination by the Authority

53. The Authority has taken note of submissions made by the interested parties. Annexure II of AD Rules provides for objective examination of both (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in domestic market for the like articles; and (b) the consequent impact on domestic producers of such products. While examining the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to price effect of dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increase which would have otherwise occurred to a significant degree.

54. As regards the impact of dumped imports on the domestic industry, Para (iv) of Annexure-II of AD Rules states as under: "The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of

the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.”

55. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account the facts and arguments of the interested parties. For analyzing the injury parameters, all relevant documents including the audited balance sheets of both the producers have been examined and verified by the Authority. The Authority also notes from the audited accounts of both the domestic producers that they were incurring losses on the domestic sales of subject goods during POI. The issues relating to Indian industry interest and other issues have been dealt by the Authority under appropriate headings. On the issue of consumers becoming non competitive on account of levy of anti dumping duty and impact of anti dumping duty on end product, it is noted that the question of consumers becoming non-competing on account of levy of anti dumping duty on subject goods do not arise, particularly when the quantum of anti-dumping duty is restricted to lower of dumping margin and injury margin. Further, it is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the antidumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.”

Examination by the Authority of the Comments made after Disclosure statement

56. The Authority has also examined the comments of all interested parties made after disclosure statement. With regard to time given to them for offering their comments on disclosure statement and initiation notification, it is noted that copies of initiation notification was duly sent to all the interested parties which were made known by the applicant in their application before the Authority. Further the same was available as Gazette publication and was posted on the website of Department of Commerce. Further all the interested parties including most of the importers and users mentioned above were duly granted time to respond to the initiation notification after they made request for extension of time to submit their response. Further, all interested parties were intimated well in advance about the public hearing which was held on 18th January, 2011. Further, the interested parties were given another opportunity by the way of another public hearing which was held on 30th March, 2011. It is noted that with the exception of M/s Ambuja Intermediates Pvt. Ltd., none of the importers and users participated in the public hearing. Further, the written submission were only filed by M/s Ambuja Intermediates Pvt. Ltd while Chemstar, M/s Gurudev Dyestuff India Pvt. Ltd M/s Ambuja Intermediates Pvt. Ltd. M/s Chem-Org had earlier submitted their views to the Authority. Their views were duly taken into account in the disclosure statement issued by the Authority on 27th May 2011 and sent by email on the same day to all interested parties to offer their comments in reply. Further, public file was maintained by the DGAD for which

none of importers and users requested for inspection. Thus, it is noted that adequate opportunity has been given to all interested parties to respond to in the subject investigation at all stages. With regard to price effect on the imports, it is noted that the Authority has determined price under cutting after taking into account the landed price of all the subject goods being imported into India during the injury period from China PR. Thus, the price under cutting has not been determined with respect to few consignments only imported by some of the users and importers. With regard to mis-match between demand and supply and the applicants not having required capacity to meet the demand of subject goods in India, it is noted that the purpose of anti dumping duty is to mitigate the un-fair trade practices adopted by exporters from subject countries. More over, the views of the Authority with regard to Indian industry interest have been specifically dealt by the Authority under appropriate headings in this finding. with regard to period and source of data collection for the injury period, it is noted that the DGCIS data has been adopted for the base year as the same was higher in volume and taking the IBIS data for the volume analysis could have given a distorted picture of volume effect much in favour of the domestic industry as much less volume was reported in the IBIS data for the base year (much of the imports coming from Ahmadabad was not reflected in the IBIS during 2006-07). Further, it has also been noted and also confirmed by some of the importers mentioned above that the prices per unit have not changed much between the two sources during the injury period. With regard to acceptance of price undertaking, it was decided not to accept price undertaking from M/s Yongtai in terms of rule 15(2) and 15(3) of the rules as it was noted that no provisional findings was issued in this case.

57. With regard to domestic industry contention for increasing the non-injurious price of the subject goods in view of selling expenses of M/s Aarti Organic Limited, it is noted that the same has not been substantiated by them during and after the verification of the information of the applicant industries and hence the same cannot be allowed. Further with regard to determination of working capital, it is noted that the same has been determined as per the consistent practices followed by the Authority. With regard to submission of domestic industry to impose duty on fixed basis and in terms of Indian rupees, it is noted that all the examination of dumping margin has been done in US\$ and therefore the duty has been imposed as fixed duty and in terms of US\$/Kg.

Import, Demand, Volumes and Market share:-

58. Demand of the product in the Country has been assessed as the sum of domestic sales of the domestic producers and imports from all sources.

General remarks about Import and Basis of determination of import volumes

59. A request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of the subject goods made in India during the past three years and the period of investigation. The information received from DGCI&S was analyzed and the same was compared with the information received from the IBIS (secondary sources). It was found that the volume of imports reported in

DGCI&S is significantly higher than the volume of imports reported by the petitioners on the basis of IBIS data in 2006-07, for the reason that IBIS has not reported imports cleared at Ahmadabad Port. However, in all subsequent periods, the volume of imports reported in IBIS is significantly higher than the volume of imports reported in DGCI&S. This is for the reason that DGCI&S has provided import information only for the dedicated classification i.e. 2921-4226, whereas IBIS has provided information on the basis of product description; and therefore, imports reported under other classifications i.e. 2921- 4211, 4221, 4290 have also been covered in IBIS. Further, it is noted that there is not much difference in the import prices from these two sources. In fact, import prices reported in IBIS for the period of investigation are slightly higher than the import prices reported in DGCI&S. After detailed examination, it was considered appropriate to take into account the information from DGCI&S for 2006-07 and IBIS for 2007-08, 2008-09 and POI for the purpose of the present investigations.

60. It is noted that imports of the subject goods from subject country has increased significantly in absolute terms during the injury period. Further, the market share of subject country has increased significantly during the same period as shown in the table.

Particulars	Units	2006-07	2007-08	2008-09	Jan-Dec'09
Imports from China	MT	1,000	3,202	3,470	3,829
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>320</i>	<i>347</i>	<i>383</i>
Other Countries	MT	2	-	0	0
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>-</i>	<i>0</i>	<i>1</i>
Total Imports	MT	1,002	3,202	3,470	3,829
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>319</i>	<i>346</i>	<i>382</i>

61. It is noted that that imports of the subject goods from China PR have shown a significant increase over the injury period. Further, imports have increased significantly in absolute terms in each successive year. Imports from other countries have, at the same time, significantly declined and are nil during the POI.

Demand

62. It is noted that demand for the product under consideration increased throughout the injury period and has grown by 77% during the injury period. Further, imports of the subject goods from the subject country have increased in absolute terms during the same period. It is also noted that increase in dumped imports was more than the increase in demand.

Particulars	Units	2006-07	2007-08	2008-09	Jan-Dec'09
Sales (domestic) of Domestic industry	MT	4,107	4,572	4,865	5,590
Trend		100	111	118	136
Sales of supporters	MT	783	1,168	1,524	1,686
Trend		100	149	195	215
Sales of other producers	MT	864	864	864	864
Trend		100	100	100	100
Imports in India	MT	1,002	3,202	3,470	3,829
Trend		100	319	346	382
Demand in India	MT	6,757	9,806	10,722	11,969
Trend		100	145	159	177

It is noted that the demand for the product has successively increased over the injury period. Though sales of the domestic industry have also increased during the same period, increase in sales of the domestic industry is less than increase in demand in the period of investigation.

Imports in relation to various parameters

63. It is noted that the demand for the product has successively increased over the injury period. Though sales of the domestic industry have also increased during the same period, increase in sales of the domestic industry is less than increase in demand in the period of investigation.

Imports in relation to various parameters

64. The Authority has analysed the trend of subject imports in relation to production and consumption in India. It is noted that imports of the subject goods from subject country increased in relation to production of the like product in India during the injury period. Further this has also increased in relation to consumption as well as sales of the domestic industry in India.

Particulars	Units	2006-07	2007-08	2008-09	Jan-Dec'09
Imports from China PR	MT	1,000	3,202	3,470	3,829
Trend		100	320	347	383
Demand in India	MT	6,757	9,806	10,722	11,969

<i>Trend</i>		100	145	159	177
Production in India	MT	5,550	6,525	6,889	6,809
<i>Trend</i>		100	118	124	123
Imports as % of total imports	%	99.75	100.00	100.00	100.00
<i>Trend</i>		100	100	100	100
Imports as % of demand	%	14.80	32.65	32.36	31.99
<i>Trend</i>		100	221	219	216
Imports as % of Indian Production	%	18.01	49.07	50.37	56.23
<i>Trend</i>		100	272	280	312
Imports as % of domestic industry sales	%	24.35	70.04	71.33	68.49
<i>Trend</i>		100	288	293	281

Market share of domestic industry

65. The Authority has determined the market share of the domestic industry by taking into account the total demand of the subject goods and sales of the domestic industry. It is noted from the table below that the market share of the domestic industry declined by 14% during the injury period while at the same time market share of subject goods from China PR has increased by 17% during the same period. The decline in market share of the domestic industry is considered significant. .

Market Share in Demand	Units	2006-07	2007-08	2008-09	Jan-Dec'09
Sales (domestic) of Domestic industry	%	60.78	46.62	45.37	46.71
<i>Trend</i>		100	77	75	77
Sales of supporters	%	11.59	11.92	14.21	14.09
<i>Trend</i>		100	103	123	121
Sales of other producers	%	12.79	8.81	8.06	7.22
<i>Trend</i>		100	69	63	56
Imports from China	%	14.80	32.65	32.36	31.99
<i>Trend</i>		100	221	219	216
Imports from other countries	%	0.04	-	0.00	0.00

<i>Trend</i>		100	-	0	0
--------------	--	-----	---	---	---

Price effect of imports

66. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it has been examined whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. A comparison for product concerned was made between the landed value of exported product and the average selling price of the domestic industry for domestic market net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at the ex factory level. This comparison showed that during the period of investigation, the subject goods originating in China were sold in the Indian market at prices which were lower than the domestic industry's prices.

Particulars	Units	2006-07	2007-08	2008-09	Jan-Dec'09
Landed Value	Rs./Kg	****	****	****	****
Net Sales Realization	Rs./Kg	****	****	****	****
<i>Indexed</i>		100	110	138	118
Price Undercutting	Rs./Kg	****	****	****	****
<i>Indexed</i>		(100)	110	(252)	119
Price Undercutting	%	****	****	****	****
Price Undercutting	% Range	Negative	0-10%	Negative	0-10%

67. It is thus seen that imports were undercutting the domestic prices and margin of undercutting is considered significant.

68. The Authority has also examined price depression, price suppression and price underselling if any, suffered by the domestic industry on account of dumped imports from the subject country. After examination, it is determined that though there is no price depression suffered by the domestic industry during the injury period, the domestic industry has suffered significant price underselling during the investigation period.

Particulars	Unit	2006-07	2007-08	2008-09	Jan-Dec'09
Net Selling Price of Domestic Industry	Rs/Kg	****	****	****	****
Trend	Index	100	110	138	119
Cost of Sales – Domestic	Rs/Kg	****	****	****	****
Trend	Index	100	104	131	120
Non Injurious Price Rs/Kg					****
Landed Price	Rs/Kg	****	****	****	****
Price underselling	Rs/Kg				****
Price underselling (%)					7-15%

69. It is thus determined that whereas the costs declined by 11% in POI as compared to 2008-09, the selling price declined by 17% in the same period though there is little change in the cost and price from the base year.

Economic parameters of the domestic industry

70. Annexure II to the AD Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of like product. The Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. An examination of performance of the domestic industry reveals that the domestic industry has suffered material injury. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

(i) Production, Capacity & capacity utilization

71. It is noted that the production has increased by 35% in POI. Further it is noted that the demand for the product has increased by 77% and the Domestic Industry could not fully utilize its capacity in POI even though the capacity utilization increased significantly during the same time.

Particulars	Units	2006-07	2007-08	2008-09	Jan-Dec'09
Capacity	MT	6,300	6,300	6,300	6,300
Production	MT	4,132	4,692	4,856	5,567
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>114</i>	<i>118</i>	<i>135</i>
Demand	MT	6,757	9,806	10,722	11,969
<i>Trend</i>		<i>100</i>	<i>145</i>	<i>159</i>	<i>177</i>
Capacity Utilization	%	65.58	74.48	77.08	88.36
Production in relation to demand	%	61.15	47.85	45.29	46.51

(ii) Domestic sales

72. It is noted that the domestic sales has increased over the injury period. Further it is also noted that the demand for the product has also increased over the injury period. The domestic industry has argued that they have not been able to increase sales in tandem with increase in demand due to the presence of dumped imports into the country.

Particulars	Units	2006-07	2007-08	2008-09	Jan-Dec'09
Domestic Sales	MT	4,107	4,572	4,865	5,590
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>111</i>	<i>118</i>	<i>136</i>
Sales as a % of Demand		60.78	46.62	45.37	46.71
Change in					
Domestic Sales	MT		465	293	726
Demand	MT		3,050	916	1,247

(iii) Increase in price of major raw material

73. It is noted that PNCB is the major raw material used in the production of product under consideration. It has been submitted that though the PNCB prices have increased, the selling price of product under consideration has not increased in the same proportion.

	PNCB Price	Trend	Selling price	Trend
Jan-09	****	100	****	100
Feb-09	****	105	****	108
Mar-09	****	126	****	115
Apr-09	****	136	****	127
May-09	****	144	****	125
Jun-09	****	125	****	117
Jul-09	****	139	****	124
Aug-09	****	141	****	128
Sep-09	****	140	****	133
Oct-09	****	148	****	140
Nov-09	****	149	****	133
Dec-09	****	156	****	147

(iv) Profitability

74. The profitability of the domestic industry in respect of domestic like product has been examined only in respect of domestic sales. It is seen that profitability of the domestic industry for the subject goods has significantly deteriorated in the POI to the extent that losses have been reported.

Particulars	Units	2006-07	2007-08	2008-09	Jan-Dec'09
Cost of Sales	Rs./Kg	****	****	****	****
Trend	Index	100	104	131	120
Net Sales Realization	Rs./Kg	****	****	****	****
Trend	Index	100	110	138	119
Profit/Loss	Rs./Kg	****	****	****	****

Trend	Index	100	10,101	12,341	(2,680)
Profit before tax	Rs. Lacs	****	****	****	****
Trend	Index	100	11,387	16,303	(3,974)

(v) Employment and Wages

75. It is noted that the production has increased over the injury period and so the employment and wages have increased over the injury period. This parameter does not indicate any injury or otherwise to the domestic industry.

Particulars	Units	2006-07	2007-08	2008-09	Jan-Dec'09
Number of employees	No	****	****	****	****
<i>Trend</i>		100	120	107	107
Wages	Rs. Lacs	****	****	****	****
<i>Trend</i>		100	152	173	207
Wage per employee	Rs. Lacs	****	****	****	****
<i>Trend</i>		100	126	162	193

(vi) Productivity

76. It is noted that the productivity has increased over injury period. The production has increased over the injury period and so the productivity shows a similar trend.

Particulars	Units	2006-07	2007-08	2008-09	Jan-Dec'09
Productivity per day	MT	****	****	****	****
<i>Indexed</i>	<i>Trend</i>	100	114	118	135
Productivity per Employee	MT	****	****	****	****
<i>Indexed</i>	<i>Trend</i>	100	94	110	126

(vii) Return on investments and cash flow

77. The return on investment has been determined considering profit before interest and capital employed for the product. Impact on cash flow has been determined considering profit before depreciation but after interest cost. It is noted that return on capital employed has significantly deteriorated in POI.

Particulars	Units	2006-07	2007-08	2008-09	Jan-Dec'09
Profit/Loss	Rs./Kg	****	****	****	****
<i>Trend</i>	<i>Index</i>	100	10,101	12,341	(2,680)
Profit before tax	Rs. Lacs	****	****	****	****
<i>Trend</i>	<i>Index</i>	100	11,387	16,303	(3,974)
Profit before interest	Rs. Lacs	****	****	****	****
<i>Trend</i>	<i>Index</i>	100	6,960	9,943	(2,366)
ROCE	%	****	****	****	****
<i>Indexed</i>	<i>Trend</i>	100	6,435	9,831	(2,128)
Cash Profit		****	****	****	****
<i>Indexed</i>	<i>Trend</i>	100	242	263	.63

It is noted that the profitability of the domestic industry improved till 2008-09, however, it deteriorated significantly in the period of investigation to the extent that losses have been reported.

(viii) Inventories

78. It is noted that is the domestic industry has significant level of inventories in hand in the POI in spite of increase in sales volumes.

Particulars	Units	2006-07	2007-08	2008-09	Jan-Dec'09
Average Inventory	MT	57	113	183	59

<i>Indexed</i>	<i>Trend</i>	<i>100</i>	<i>200</i>	<i>324</i>	<i>105</i>
Inventory equal to no. of days' sales	No	6	12	16	5
<i>Indexed</i>	<i>Trend</i>	<i>100</i>	<i>182</i>	<i>252</i>	<i>73</i>

(ix) Growth

79. Information with respect to growth in various parameters is given in the table below. It is noted that though the growth in terms of volume parameters is positive; growth in terms of price parameters is negative.

Particulars	Units	2006-07	2007-08	2008-09	Jan-Dec'09
Production	%		13.56	3.49	14.63
Domestic Sales Volume	%		11.32	6.41	14.92
Selling price domestic	%		9.66	25.76	(14.03)
Cost of sales domestic	%		3.84	25.96	(8.11)
Average stock	%		99.94	62.03	(67.58)
Return on capital employed (NFA basis)	%		9.86	5.28	(18.61)

It is noted that the growth of the domestic industry, which was positive before commencement of dumping in terms of a number of parameters, became negative in the POI. Dumping has led to a situation of plant closures of a number of units.

Factors affecting domestic prices

80. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. In order to assess the effect of imports on the domestic market, The Designated Authority analyzed import prices over the injury period and found that the landed value of imports per MT from subject country, in period of investigation, is lower than the net selling price and non-injurious price. Change in cost structure if any, due to competition in the domestic industry and prices of competing substitutes have been examined for analyzing the factors other than dumped imports that might be affecting the prices in the domestic market.

81. The Designated Authority determined the net sales realization of the domestic industry considering selling price, excluding taxes & duties, rebates, discounts and freight

& transportation. Landed price of imports has been determined considering weighted average CIF import price, with 1% landing charges and applicable basic customs duty and applicable cess.

82. The price underselling is an important indicator of assessment of injury; thus, the Authority has worked out a non-injurious price and compared the same with the landed value to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been worked out for the domestic producer by appropriately considering the cost of production for the product under consideration during the POI. It is noted that the landed value of imports per MT, in period of investigation, is lower than the non injurious price determined for the domestic industry during the period of investigation in respect of the subject country. The underselling margin is significant.

(x) Ability to raise capital investments

83. The Petitioners have argued that given the current state of affairs where the product is not performing well and a number of units have closed down because of persistent dumping, substantial fresh investments cannot even be imagined.

84. It is noted that continued dumping of the product and decline in financial performance are bound to adversely impact the ability of the domestic industry to raise capital investments.

(xi) Level of dumping and dumping margin

85. The dumping margin established hereinabove in respect of responding exporters and non cooperative exporters are considered significant and above the de minimis level.

F. CAUSAL LINK

86. The Authority has examined whether other factors listed under the AD Rules could have contributed to injury to the domestic industry. It was found as follows

(i) Imports from third countries.

87 Imports of subject goods from other countries are negligible.

(ii) Contraction in demand

88. The Authority notes that the demand for the subject goods has shown significant improvement during the injury period. Possible contraction in demand could not have caused injury to the domestic industry.

(iii) Changes in the pattern of consumption

89 The pattern of consumption with regard to the product under consideration has not undergone any change, nor there is any quantified allegation in this regard. The investigation so far has not shown existence of alternate competing products and possible injury being caused by such alternate products.

(iv) Trade Restrictive practices of and competition between foreign and domestic producers

90 The Authority notes that there is a single market for the subject goods where dumped imports from China PR compete directly with the subject goods supplied by the domestic industry. It is noted that the imported subject goods and domestically produced goods are like articles and are used for similar applications/end uses. There is no evidence of trade restrictive practices of and competition between the foreign producers and domestic producers causing injury to the domestic industry.

(v) Developments in Technology

91. There is no allegation of developments in technology, nor has the investigation so far shown that possible injury to the domestic industry could have been caused by developments in technology.

(vi) Export performance

92. The petitioner has do not have any export sales. However, the Authority has considered only domestic operations and domestic profitability.

(vii) Productivity of the Domestic Industry

93. There is no material change in productivity of the domestic industry. Possible decline in productivity cannot be the reason for the established injury to the domestic industry.

Effect of dumped imports

94. The Authority notes that the following parameters show that material injury to the domestic industry is due to dumped imports.

It is noted that the following parameters show that material injury to the domestic industry is due to dumped imports.

(a) The dumped imports from subject country have significantly increased over the injury period. Resultantly, the market share of the domestic industry declined. It is thus held that decline in market share of the domestic industry is directly due to increase in volume of dumped imports and its market share.

(b) Dumped imports from subject country are undercutting the prices of the domestic industry.

(c) Thus, it is noted that the domestic industry is forced to decrease prices due to presence of dumped imports in the market. This has resulted in decline in profits and return on investment. Thus, deterioration in profits and return on investment is attributed to presence of dumped imports from the subject country.

95. The Authority has determined non-injurious price for the domestic industry taking into consideration cost of production of the domestic industry. This non-injurious price of the domestic industry has been compared with the landed values of the subject imports to determine injury margin. The injury margin has been determined in line with the determination of dumping margins as mentioned in the appropriate heading. The injury margins have been worked out as follows:

Table showing Injury Margin

Producer	Exporter	IM (US\$/Kg)	IM%
M/s HebeiYongtai Create Chemical Co Ltd (Yongtai)	M/s HebeiYongtai Create Chemical Co Ltd (Yongtai)	****	15-20
M/s Suzhou Luosen Auxiliaries Co. Ltd.(Producer)	Wujian City Yilin Foreign Trading Co. Ltd	****	5-10
Others	Others	****	20-26

The level of injury margins as determined are considered significant.

G Conclusion on Injury and causation

96. There has been a significant increase in the volume of dumped imports from China PR at the absolute level and also in relation to demand of subject goods in India. It is noted that the market share of the dumped imports has increased and that of domestic industry has declined. The dumping margin from subject country has been determined and is considered significant. Capacity utilization of the domestic industry has not been fully utilized and inventories with the domestic industry have increased. Thus, the dumped imports from subject country show adverse volume effect.

97. It is also noted that the dumped imports were undercutting the prices of the domestic industry in the market. It is also determined that the dumped imports have had significant adverse price effect which in turn have led to significant deterioration in profits and return on investments. Therefore, the Authority concludes that the domestic industry has suffered material injury and such injury has been caused significantly by price and volume effects of dumped imports from the subject country.

98 The Authority therefore, holds that material injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports of subject goods from the subject country.

H. Conclusions:

99. After examining the submissions made by the interested parties and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority concludes that:

(a) The product under consideration has been exported to India from the subject country below Normal value.

(b) The domestic industry has suffered material injury on account of subject imports from subject country.

(c) The material injury has been caused by the dumped imports of subject goods from the subject country.

I. Indian industry's interest & other issues:

100. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way; and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

101. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these product. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

J. Recommendations

102. The Authority notes that the investigation was initiated and it was notified to all interested parties. Adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted a investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the AD Rules and having established positive dumping margins as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of anti dumping duty is required to offset dumping and injury.

103. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, antidumping duty equal to the amount indicated in Col 7 of the table below is recommended to be imposed on all imports of subject goods originating in or exported from China PR.

Duty table

Col. No.	1	2	3	4	5	6	7	8	9
SN	Heading/ subheading	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amount of duty	Unit	Currency
1	29214226	Para nitroaniline	China PR	China PR	Hebei Yongtai Create Chemical Co Ltd	Hebei Yongtai Create Chemical Co Ltd	0.19	Kg	US\$
2	29214226	Para nitroaniline	China PR	China PR	Any combination other than mentioned in Sr. no. 1 of above producer and exporter		0.26	Kg	US\$
3	29214226	Para nitroaniline	China PR	China PR	M/s Suzhou Luosen Auxiliaries Co. Ltd	Wujian City Yilin Foreign Trading Co. Ltd	0.09	Kg	US\$
4	29214226	Para nitroaniline	China PR	China PR	Any combination other than mentioned in Sr. no. 3 of above producer and exporter		0.26	Kg	US\$
5	29214226	Para nitroaniline	China PR	Any other than China PR	Any	Any	0.26	Kg	US\$
6	29214226	Para nitroaniline	Any other than China PR	China PR	Any	Any	0.26	Kg	US\$

104. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

105. An appeal against the findings after its acceptance by the Central Government shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff Rules, 1995.

VIJAYLAXMI JOSHI, Designated Authority